www.bharatsamvad.in

R.N.I.No- UPHIN/2009/30939

सत्य का स्वर

भारत संवाद

प्रयागराज, लखनऊ तथा मुम्बई से एक साथ प्रकाशित

मौसम

अधिकतम तापमान 39.c

30.c न्यूनतम तापमान

बाजार

सोना 101.700g

चांदी 106.000kg

ऐप में पढ़े
E-PAPER
भारत संवाद
Scan for E-Paper or Search on Play store Bharat Samvad E-Paper

2 विश्व की नई आर्थिक शक्ति बने भारत

आसिम मुनीर बोले- पाकिस्तान शांति बनाए रखने वाला जिम्मेदार देश 06

वर्ष :17 | अंक :89 | प्रयागराज, सोमवार, 30 जून, 2025 | पृष्ठ : 06 | मूल्य : 1:00 रुपए

संक्षिप्त समाचार

जमीनी विवाद में गोलीबारी में किशोर की मौत, पुलिस मुठभेड़ में आरोपी पकड़े

फर्रुखाबाद जिले के नवाबगंज थाना क्षेत्र में जमीनी विवाद को लेकर हुई गोलीबारी में एक किशोर की मौत हो गई और उसकी बहन तथा चाचा घायल हो गए।पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि मुठभेड़ में आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। उसने बताया कि शनिवार को नवाबगंज थाना क्षेत्र के राम नगर पुठरी गांव में खेत पर कब्जा करने के विवाद में एक पक्ष द्वारा की गई गोलीबारी में आकाश राजपूत (17) की मौत हो गई जबकि उसकी बहन पलक और चाचा महावीर घायल हो गए जिन्हें सैफई मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। इस मामले में आकाश राजपूत के पिता उमेश चन्द्र राजपूत ने आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई, जिसमे गांव के ही एक परिवार के सतनाम सिंह, सत्यवीर उर्फ शेर सिंह, अनार सिंह, अमर सिंह उर्फ सोनू व ओमकार सिंह को नामजद किया गया है। अपर पुलिस अधीक्षक (एएसपी) संजय सिंह ने बताया कि शनिवार रात पुलिस टीम ने नवाबगंज के हददुआ चौराहे के पास मुठभेड़ के बाद तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस कार्रवाई में गोली लगने से सत्यवीर उर्फ शेर सिंह घायल भी हो गया जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

राजस्थान में भारत-पाक सीमा के पास मिले नाबालिग लड़की और युवक के शव, पाकिस्तानी सिम कार्ड बरामद

राजस्थान के जैसलमेर जिले में भारत-पाकिस्तान सीमा के पास एक नाबालिग लड़की और एक युवक के क्षत-विक्षत शव बरामद किए गए हैं। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, शवों को देखकर ऐसा प्रतीत होता है कि दोनों की मौत लगभग एक सप्ताह पहले हुई होगी। शव शनिवार को बरामद किए गए। पुलिस ने बताया कि घटनास्थल से एक पाकिस्तानी सिम कार्ड और युवक का पहचानपत्र भी बरामद हुआ है, जिसकी पहचान रवि कुमार (18) के रूप में की गई है। जैसलमेर के पुलिस अधीक्षक सुधीर चौधरी ने बताया कि शव सादेवाला क्षेत्र में मिले हैं, जो अंतरराष्ट्रीय सीमा से करीब 10-12 किलोमीटर भीतर भारतीय क्षेत्र में स्थित है। उन्होंने बताया कि शवों को रामगढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के शवगृह में भेजा गया है और मौत के कारणों की पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही हो सकेगी। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि मृतक लड़की और युवक भारतीय नागरिक हैं या पाकिस्तानी। मामले की जांच की जा रही है।

पुरी में श्री गुंडिचा मंदिर के पास मची भगदड़, 3 की मौत, 50 से अधिक घायल

दुखद हादसा

▶▶कुछ प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि एक ट्रक उस क्षेत्र में प्रवेश कर गया जहां श्रद्धालु एकत्र थे। यह ट्रक कथित तौर पर रथों के पास रखे ताड़ के लट्ठों को हटाने के लिए आया था। ट्रक के प्रवेश से श्रद्धालुओं के बीच अफरा-तफरी मच गई, जिससे हंगामा बढ़ गया और जल्द ही यह एक बड़ी भगदड़ में बदल गया।

एजेंसी

ओडिशा। पुरी में भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा के दौरान रविवार सुबह एक दुखद हादसा हुआ। सुबह करीब 4:30 बजे, श्रीगुंडिचा मंदिर के सामने भगवान के दर्शन के लिए भारी भीड़ उमड़ी थी, जिसके चलते धक्का-मुक्की और भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। भगदड़ में कम से कम तीन व्यक्तियों की मौत हो गई और करीब 50 अन्य घायल हो गए। हादसे में 3 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं 10 से अधिक लोग घायल बताए जा रहे हैं। घायलों को तुरंत पास के ही पुरी के जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है।

भगदड़ की स्थिति कैसे बनी?

कलेक्टर-,एसपी का हुआ तबादला, डीसीपी और कमांडेंट निलंबित

सीएम माझी ने मांगी माफी

पुरी: मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने रविवार (29 जून 2025) को पुरी के श्री गुंडिचा मंदिर के पास हुई भगदड़ के लिए जगन्नाथ भक्तों से माफी मांगी। इस हादसे में कम से कम तीन लोगों की मौत हुई और लगभग 50 अन्य घायल हो गए। माझी ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, मैं और मेरी सरकार सभी जगन्नाथ भक्तों से क्षमा मांगते हैं। हम मृतक श्रद्धालुओं के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हैं और महाप्रभु जगन्नाथ से प्रार्थना करते हैं कि वे उन्हें यह दुख सहन करने की शक्ति दें। उन्होंने सुरक्षा में चूक की गहन जांच और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का आश्वासन भी दिया।

यह घटना श्रीगुंडिचा मंदिर के नजदीक शरधाबली क्षेत्र में हुई। उस समय भगवान जगन्नाथ के रथ के दर्शन के लिए हजारों भक्त जमा थे। भीड़ को नियंत्रित करना मुश्किल हो गया, जिसकी वजह से धक्का-मुक्की शुरू हुई। इस दौरान कुछ लोग गिर गए, जिससे भगदड़ जैसी हालात बन गए।

नवीन पटनायक का बयान

बीजू जनता दल प्रमुख नवीन पटनायक ने पुरी में हुई भगदड़ को ओडिशा सरकार की नाकामी करार दिया। उन्होंने एक्स पर लिखा, पुरी के शारदाबली में भगदड़ में जान गंवाने वाले तीन श्रद्धालुओं के परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। मैं घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं। विधानसभा में विपक्ष के नेता पटनायक ने कहा कि रथ यात्रा के दौरान भीड़ प्रबंधन में सरकार की विफलता ने शांतिपूर्ण उत्सव सुनिश्चित करने में उसकी अक्षमता को उजागर किया है।

बोले जिलाधिकारी

पुरी के जिलाधिकारी सिद्धार्थ एस. स्वैन ने बताया कि यह घटना तड़के करीब चार बजे हुई, जब सैकड़ों श्रद्धालु रथयात्रा उत्सव देखने के लिए मंदिर के पास एकत्रित हुए थे। अधिकारियों ने बताया कि अनुष्ठान के लिए सामग्री ले जा रहे दो ट्रकों के भगवान जगन्नाथ और उनके भाई भगवान बलभद्र एवं देवी सुभद्रा के रथों के पास भीड़भाड़ वाले स्थान पर घुसने के बाद अफरा-तफरी मच गई।

आपातकाल के खिलाफ लड़ने वालों को हमेशा याद किया जाना चाहिए: प्रधानमंत्री मोदी

मोदी ने मासिक रेडियो प्रसारण कार्यक्रम में आपातकाल का विरोध करने वाले प्रमुख नेताओं की टिप्पणियां सुनाईं

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आपातकाल की 50वीं बरसी को हाल में संविधान हत्या दिवस के रूप में मनाया गया और इसके खिलाफ लड़ने वालों को हमेशा याद रख जाना चाहिए।

एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आपातकाल के दौरान लोगों पर अत्याचार को लेकर तत्कालीन कांग्रेस सरकार पर निशाना साधने के लिए रविवार को अपने मासिक रेडियो प्रसारण कार्यक्रम में आपातकाल का विरोध करने वाले प्रमुख नेताओं की टिप्पणियां सुनाईं और कहा कि इन्हें हमेशा याद रखा जाना चाहिए क्योंकि ये लोगों को संविधान को मजबूत रखने के लिए सतर्क रहने की प्रेरणा देता है।

मोदी ने अपने मन की बात बात रेडियो प्रसारण में कहा कि जिन लोगों ने आपातकाल लगाया, उन्होंने ना सिर्फ हमारे संविधान की हत्या की बल्कि उनका इरादा न्यायपालिका को भी अपना गुलाम बनाए रखने का था।

▶▶मोदी ने कहा कि 1975 से 1977 के बीच 21 महीने की अवधि के लिए आपातकाल के दौरान लोगों को बड़े पैमाने पर प्रताड़ित किया गया था। उन्होंने कहा कि ऐसे कई उदाहरण हैं जिन्हें भुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने उस अवधि से संबंधित पूर्व प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई और अटल बिहारी वाजपेयी तथा पूर्व उप प्रधानमंत्री जगजीवन राम के भाषणों के अंश सुनाए।

मोदी ने तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की पार्टी का नाम लिए बिना आपातकाल के दौर की ज्यादतियों के लिए कांग्रेस की निंदा की। आपातकाल को लेकर केंद्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और विपक्षी कांग्रेस के बीच आरोप प्रत्यारोप का दौर जारी है। कांग्रेस का कहना है कि मोदी सरकार के तहत अघोषित आपातकाल कायम है।उन्होंने कहा कि जॉर्ज फर्नांडिस साहब को बेड़ियों में जकड़ा गया था और याद किया कि उस समय आंतरिक सुरक्षा अधिनियम (मीसा) के तहत किसी को भी गिरफ्तार किया जा सकता था। उन्होंने कहा कि छात्रों को परेशान किया गया और अभिव्यक्ति की आजादी का गला घोंटा गया।उन्होंने कहा कि उस दौर में हजारों लोग गिरफ्तार किए गए, उन पर अमानवीय अत्याचार हुए, लेकिन ये भारत की जनता का सामर्थ्य है कि वो झुकी नहीं, टूटी नहीं और लोकतंत्र के साथ कोई समझौता उसने स्वीकार नहीं किया।उन्होंने कहा कि आखिरकार, जनता-जनार्दन की जीत हुई

महुआ ने शादी करके एक परिवार तोड़ा:कल्याण बनर्जी

अब मुझे महिला विरोधी कह रहीं; कोलकाता रेप पर बयान से टीएमसी नेताओं में विवाद

▶▶कोलकाता गैंगरेप मामले को लेकर तृणमूल कांग्रेस के अंदर जुबानी जंग तेज हो गई है। सांसद कल्याण बनर्जी ने अपनी ही पार्टी की नेता महुआ मोइत्रा पर हमला बोला है। यह तब हुआ जब मोइत्रा ने सार्वजनिक तौर पर पार्टी पर अपने नेताओं के 'बेबुनियाद बयानों' की निंदा न करने का आरोप लगाया था। मोइत्रा ने अप्रत्यक्ष रूप से बनर्जी के उस बयान पर कटाक्ष किया था।

एजेंसी

तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के दो कद्दावर सांसद, कल्याण बनर्जी और महुआ मोइत्रा, एक बार फिर आमने-सामने आ गए हैं। करीब तीन महीने पहले हुए सार्वजनिक विवाद के बाद, इस बार कोलकाता लॉ कॉलेज गैंगरेप मामले पर हुई बहस ने दोनों के बीच नई तकरार पैदा कर दी है। दरअसल, बनर्जी ने इस जघन्य अपराध पर एक विवादित टिप्पणी की थी, जिसकी मोइत्रा ने तीखी आलोचना की, जिसके बाद यह नया विवाद शुरू हुआ। कल्याण बनर्जी का विवादास्पद बयानमामला तब गरमाया जब कल्याण बनर्जी ने गैंगरेप पीड़िता को ही निशाना बनाते हुए कहा कि महिलाओं को पता होना चाहिए कि वे किसके साथ बाहर जा रही हैं।

आप का जंतर-मंतर पर प्रदर्शन

भाजपा के झुग्गी तोड़ो अभियान पर अरविंद केजरीवाल ने साधा निशाना

जंतर-मंतर से भाजपा के खिलाफ हुंकार भरते हुए दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा, 'चुनाव से पहले मैंने एक वीडियो जारी किया था, जिसमें कहा था कि आप उन्हें (भाजपा को) भूलकर भी वोट न दें, क्योंकि उनकी नजर आपकी जमीन पर है।' केजरीवाल ने आगे कहा, 'मैंने कहा था कि वो एक साल में तोड देंगे, लेकिन किसे पता था कि ये तो 5 महीने में ही आपके घर तोडकर पूरी दिल्ली का सत्यानाश कर देंगे।'

एजेंसी

राष्ट्रीय राजधानी में झुग्गी-झोपडियों के खिलाफ चल रहे अभियान को लेकर दिल्ली की राजनीति गरमा गई है। दिल्ली सरकार के इस एक्शन के विरोध म्२की झुग्गियां तोड रहे हैं, जिससे वो सडक पर चलने के लिए भी लाचार हो गए हैं।' उन्होंने गरीबों की दुर्दशा पर जोर देते हुए कहा, 'गरीब आदमी अपनी झुग्गी के पास काम करता है... अगर झुग्गी टूटती है तो उसकी रोजी-रोटी भी बर्बाद हो जाती है... उन्होंने गरीबों को मरने के लिए छोड दिया है।'

'जहां झुग्गी, वहां मैदान': मोदी सरकार की गारंटी पर साधा निशाना

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'जहां झुग्गी, वहां मकान' गारंटी पर निशाना साधते हुए केजरीवाल ने तंज कसा, 'मोदी जी आए थे और गारंटी देकर गए थे - 'जहां झुग्गी, वहां मकान', दरअसल उनका असली मतलब था - 'जहां झुग्गी, वहां मैदान', वोट दे दो, फिर सारी झुग्गियां तोड देंगे और गरीबों को सडकों पर ला देंगे। अब वो ये कर रहे हैं - एक-एक करके आपके घर को माटी में मिला रहे हैं।'

भाजपा के जितने भी इंजन हैं, सब ईंधन के जुगाड़ में लगे हुए : अखिलेश यादव

सपा मुख्यालय में भी भामा शाह की जयंती के दूसरे दिन उनकी स्मृति में आयोजित बैठक में सपा व्यापार सभा के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जायसवाल ने अखिलेश यादव को व्यापारियों की ओर से सहयोग देने का भरोसा दिया।

एजेंसी

समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने रविवार को केंद्र और राज्य में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि सत्तारूढ़ दल के जितने भी इंजन हैं, सब ईंधन के जुगाड़ में लगे हुए हैं।उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री यादव ने यह भी आरोप लगाया कि भाजपा के राज में व्यापार आर्थिक-सामाजिक आपातकाल के दौर से गुजर रहा है और यह व्यापारियों के ऊपर नए तरह की इमरजेंसी है।सपा मुख्यालय में पार्टी के फ्रंटल संगठन व्यापार सभा के कार्यकताओं और पदाधिकारियों की एक बैठक में शामिल होने के बाद यादव ने पत्रकारों से बातचीत में कहा, कहने को तो यह सरकार डबल इंजन की है

कोलकाता गैंगरेप- सीसीटीवी फुटेज से पुष्टि हुई:आरोपी छात्रा से जबर्दस्ती करते दिख रहे

मारपीट से लेकर छेड़छाड़ तक, कोलकाता गैंगरेप आरोपी मोनोजीत मिश्रा पर पहले भी दर्ज हैं कई गंभीर आरोप

कोलकाता के साउथ कलकत्ता लॉ कॉलेज में एक लॉ छात्रा से हुए कथित गैंगरेप का मुख्य आरोपी मोनोजीत मिश्रा पेशे से वकील हैं। वह साउथ कलकत्ता लॉ कॉलेज का पूर्व छात्र है। वह तृणमूल कांग्रेस की छात्र इकाई, तृणमूल छात्र परिषद का पूर्व अध्यक्ष रह चुका है और कथित तौर पर टीएमसी के छात्र संगठन के दक्षिण कोलकाता विंग का संगठनात्मक सचिव भी है।

एजेंसी

कोलकाता ,कोलकाता की लॉ छात्रा से गैंगरेप मामले में सीसीटीवी फुटेज से गैंगरेप की पुष्टि हुई है। कॉलेज के सीसीटीवी में 25 जून की दोपहर 3:30 बजे से रात 10:50 बजे तक करीब 7 घंटे की फुटेज हैं। एक जांच अधिकारी ने बताया कि उसीसीटीवी में पीड़ित छात्रा को गार्ड के कमरे में जबर्दस्ती ले जाने की घटना कैद हुई है। इससे छात्रा की लिखित शिकायत में लगाए गए आरोपों की पुष्टि होती है। वहीं, जिस गार्ड के कमरे में रेप हुआ था, शनिवार को उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने बताया कि पूछताछ के बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। मामले में अब तक कुल चार गिरफ्तारियां हो चुकी हैं।

मेडिकल रिपोर्ट में भी पीड़ित से रेप की पुष्टि हुई

पीड़ित छात्रा की मेडिकल रिपोर्ट में शनिवार को रेप की पुष्टि हुई। मेडिकल जांच कलकत्ता नेशनल मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में की गई थी। पुलिस के मुताबिक पीड़ित के साथ जबरदस्ती करने, शरीर पर काटने और नाखून से खरोंचने के निशान मिले हैं। उससे मारपीट की भी पुष्टि हुई है।

बारिश से उत्तराखंड-हिमाचल में तबाही

मनाली में हाईवे का हिस्सा बहा; राजस्थान के सरकारी अस्पताल में पानी घुसा

उत्तराखंड में आफत की बारिश, बादल फटने से उत्तरकाशी में 2 मजदूरों की मौत, चारधाम यात्रा 24 घंटे के लिए स्थगित

प्राकृतिक आपदाओं की बढ़ती आशंका के मद्देनजर, राज्य सरकार ने यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए चारधाम यात्रा को अगले 24 घंटे के लिए स्थगित कर दिया है। मौसम विभाग द्वारा जारी भारी बारिश की चेतावनी और भूस्खलन के जोखिमों को देखते हुए यह महत्वपूर्ण फैसला लिया गया है। प्रशासन हाई अलर्ट पर है और लोगों से अनावश्यक यात्रा से बचने तथा सतर्कता बरतने की अपील की गई है।

एजेंसी

नई दिल्ली , मानसून पूरे देश को कवर कर चुका है। पिछले एक हफ्त से लगातार बारिश की वजह से कई राज्यों में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। उत्तराखंड और हिमाचल में बादल फटने की घटनाएं सामने आई हैं। भारी बारिश और खराब मौसम की वजह से उत्तराखंड में चारधाम यात्रा अगले 24 घंटे के लिए रोक दी गई है। ओडिशा के मयूरभंज जिले में भारी बारिश के चलते जमुआ घाट पुल टूट गया।वहीं, भारतीय राष्ट्रीय महासागर सूचना सेवा केंद्र ने आज केरल के तटीय इलाकों में 2 से 3 मीटर ऊंची लहरें उठने की आशंका जताई है।

हिमाचल प्रदेश

पिछले 9 दिन में 34 लोगों की मौत पिछले 24 घंटों में भारी बारिश के चलते कई जिलों में भूस्खलन और पानी भरने की घटनाएं सामने आई हैं। प्रदेश के रेवेन्यू मिनिस्टर जगत सिंह नेगी ने बताया कि बारिश से जुड़ी दुर्घटनाओं में 20 जून से अब तक 34 लोगों की मौत हो चुकी है।

हुंकार | **बोले- यह देश किसी के बाप का नहीं**

पटना में वक्फ संशोधन बिल के खिलाफ तेजस्वी यादव ने भरी हुंकार

एजेंसी

नयी दिल्ली।पटना के गांधी मैदान में शनिवार को वक्फ संशोधन बिल के खिलाफ मुस्लिम संगठनों ने 'वक्फ बचाओ दस्तूर बचाओ' कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया। इस दौरान बिहार के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव भी रैली में शामिल हुए और मंच से भाजपा सरकार पर जमकर गरजे। तेजस्वी यादव ने अपने भाषण में कहा, 'यह देश किसी के बाप का नहीं है। आजादी की लड़ाई में सभी धर्मों के लोगों, चाहे वह हिंदू हों, मुसलमान हों, सिख हों या ईसाई, सभी के पूर्वजों ने अपना बलिदान दिया है। हिंदुस्तान की सरजमीं का हर इंच और इतिहास का हर पन्ना इस बात की गवाही देता है कि यह देश हम सबका है।' यादव ने जोर देकर कहा कि बिहार में किसी भी कीमत पर वक्फ बिल संशोधन लागू नहीं किया जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा अल्पसंख्यकों, गरीबों, पिछड़ों, अति-पिछड़ों और दलितों से उनके वोट के अधिकार को छीनने का प्रयास कर रही है। उन्होंने नए चुनाव आयोग के नोटिफिकेशन का हवाला देते हुए कहा कि 8 लाख वोटरों की सूची फिर से बनाई जा रही है, जो वोटिंग के अधिकार को छीनने की कोशिश है। तेजस्वी ने लोगों से सतर्क रहने की अपील की और कहा कि हम लोग मिलकर लड़ेंगे और जीतेंगे। आपको बता दें कि वक्फ बिल संशोधन के खिलाफ मुस्लिम समाज के लोगों का यह महाजुटान इमारत-ए-शरिया द्वारा कुछ दिनों पहले घोषित किया गया था। तेजस्वी यादव ने ऐलान किया कि बिहार में उनकी सरकार बनने पर इस कानून को लागू नहीं होने दिया जाएगा.

तेजस्वी यादव ने अपने भाषण में कहा, 'यह देश किसी के बाप का नहीं है। आजादी की लड़ाई में सभी धर्मों के लोगों, चाहे वह हिंदू हों, मुसलमान हों, सिख हों या ईसाई, सभी के पूर्वजों ने अपना बलिदान दिया है। हिंदुस्तान की सरजमीं का हर इंच और इतिहास का हर पन्ना इस बात की गवाही देता है कि यह देश हम सबका है।'

वहीं, एआईएमआईएम के अख्तरुल ईमान ने इसे अल्पसंख्यकों के खिलाफ साजिश करार दिया. दरअसल, विपक्ष का आरोप है कि यह कानून वक्फ बोर्ड की स्वतंत्रता छीनता है और जिलाधिकारियों को अधिक शक्तियां देता है. हालांकि, केंद्र सरकार का कहना है कि यह कानून पारदर्शिता, महिलाओं की भागीदारी और वक्फ संपत्तियों के दुरुपयोग को रोकने के लिए है. सुप्रीम कोर्ट में इसकी वैधता पर सुनवाई चल रही है और फैसला सुरक्षित रखा गया है. दरअसल, तेजस्वी यादव जब गांधी मैदान में भाषण देने के लिए आए तो उस समय तेजस्वी यादव बाल-बाल बच गए. तेजस्वी भाषण शुरू कर ही रहे थे, इसी दौरान एक ड्रोन उनके चेहरे से आकर टकराने लगा लेकिन तत्काल तेजस्वी यादव तुरंत झुके और वहां बगल खड़ी एक युवक ने हाथ लगाया और उसे गिरा दिया.

वन में रहने वाले समुदायों के अधिकारों को दी गई मान्यता को नजरअंदाज नहीं कर सकते : रमेश

रमेश ने फैसले का हवाला देते हुए कहा, इस परियोजना के जनस्वास्थ्य, जलविज्ञान और स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र पर समग्र प्रभाव का न तो समुचित मूल्यांकन किया गया और न ही उचित रूप से विचार किया गया।

एजेंसी

नयी दिल्ली। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने रविवार को छत्तीसगढ़ में एक कोयला खनन परियोजना को पर्यावरण मंजूरी दिये जाने को लेकर केंद्र की आलोचना की और कहा कि वन अधिकार अधिनियम, 2006 के तहत वनों में रहने वाले समुदायों के अधिकारों को दी गई मान्यता को नजरअंदाज नहीं जा सकता। पूर्व पर्यावरण मंत्री रमेश ने कहा कि 15 जनवरी 2024 को राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) की दो सदस्यीय भोपाल पीठ ने 209 पन्नों का फैसला सुनाते हुए महाराष्ट्र राज्य विद्युत उत्पादन कंपनी लिमिटेड (महाजेनको) को छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले के गारे पाल्मा, सेक्टर-2 में कोयला खनन के लिए 11 जुलाई 2022 को दी गई पर्यावरण मंजूरी को रद्द कर दिया था। कांग्रेस महासचिव (संचार प्रभारी) रमेश ने कहा कि यह खुली खदान 14 गांवों में 6,300 एकड़ से अधिक भूमि पर फैली है जिसमें से करीब आठ प्रतिशत हिस्सा समृद्ध वन क्षेत्र है। रमेश ने कहा, फैसला विस्तृत था और निष्कर्ष यह था: पर्यावरण मंजूरी देने के लिए कानून द्वारा निर्धारित प्रक्रिया का अक्षरशः पालन नहीं किया गया। कांग्रेस नेता ने कहा कि इसमें कहा गया है कि निर्धारित कानून के अनुसार सार्वजनिक सुनवाई की आवश्यकता पूरी नहीं की गई।

सम्पादकीय

जस्टिस यशवंत वर्मा हाजिर हों!

कैश कांड की जानकारी गोपनीयता और संवेदनशीलता के घूंघट में उच्चाधिकारियों न्यायाधीशों के बीच घूमती रही। अदालत के गलियारों में धुंआ धूल और धुंध...खामोशी का षड्यंत्र गहराता रहा अटकलों का बाजार गमार्ता गया। कुछ पत्रकारों ने पर्दा हटाना शुरू किया तो पहले जज साहब को न्यायिक कार्य न करने के निर्देश और फिर इलाहाबाद वापस जाने के आदेश जारी हुए। वारेन हेस्टिंग्स के खिलाफ महाभियोग (1788-1795) की बहस में सांसद और वकील एडमंड बर्क ने कहा था- सत्य, न्याय और इंसाफ के लिए कानून के मार्ग पर जो राष्ट्र चलता है, वही महान है। बेहद गंभीर आरोपों और पर्याप्त साक्ष्यों के बावजूद ब्रिटिश संसद ने हेस्टिंग्स को बेकसूर माना और कंपनी ने उन्हें 4,000 पौंड सालाना पेंशन भी दी। शायद सत्ता अपने लाडले सपूतों के बचाव में ऐसे ही न्याय के नाटक-नौटंकी करती रही है। 14 मार्च, 2025 को दिल्ली के एक बंगले के स्टोर रूम में आधी रात आग लगने से धुंआ उठने लगा। आग में जलते नोटों के ताप से कांच की बोतलें टूटने और शराब बहने से आग और भड़क उठी। आग में शराब ने घी से भी अधिक खतरनाक काम किया। बंगला दिल्ली हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा को आवंटित था। दमकल, पुलिस आई, आग बुझाई, वीडियो बनाई और जले-अधजले या बचे करोड़ों रुपये और शराब की बोतलों को यूं का यूं छोड़ चली गई। कोई पंचनामा (एफआइआर) या बरामदगी नहीं की गई। घटना के समय जस्टिस वर्मा और उनकी पत्नी भोपाल में थे। अगले दिन आए तो घटनास्थल पर शेष-अशेष कुछ न था। विश्वासपात्र सचिव और अन्य सेवकों ने सब साफ-सफाई कर दी। मीडिया में हफ्ते भर तक कोई खबर नहीं। कैश कांड की जानकारी गोपनीयता और संवेदनशीलता के घूंघट में उच्चाधिकारियों, न्यायाधीशों के बीच घूमती रही। अदालत के गलियारों में धुंआ, धूल और धुंध...खामोशी का षड्यंत्र गहराता रहा, अटकलों का बाजार गमार्ता गया। कुछ पत्रकारों ने पर्दा हटाना शुरू किया तो पहले जज साहब को न्यायिक कार्य न करने के निर्देश और फिर इलाहाबाद वापस जाने के आदेश जारी हुए। कैश कांड की जांच के लिए तीन सदस्यीय जांच समिति गठित की गई। समिति की रिपोर्ट आने के बाद सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना ने जस्टिस यशवंत वर्मा पर महाभियोग चलाने की सिफारिश करके गेंद संसद के पाले में लुढ़का दी और खुद सेवानिवृत्त हो गए। न्यायपालिका की प्रतिष्ठा बचाने के लिए अधिकांश दस्तावेज (जांच रिपोर्ट के अलावा) सार्वजनिक करने पड़े। न जाने कैसे जांच रिपोर्ट बाद में लीक हो गई। जांच समिति में पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश शील नागू, हिमाचल हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जीएस संधावालिया और कर्नाटक हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति अनु शिवरमन शामिल थे। फिलहाल महाभियोग की पेचीदा प्रक्रिया चलाने या न चलाने के मुद्दे पर वाद-विवाद, सहमति-असहमति की राजनीति के इर्द-गिर्द ही वरिष्ठ वकीलों द्वारा सार्वजनिक रूप से कानूनी तर्क-वितर्क रचे जा रहे हैं।

आज का विचार

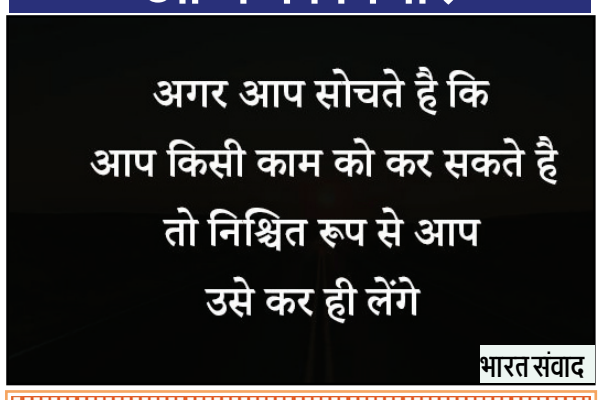

विश्व की नई आर्थिक शक्ति बने भारत

यह बात भी महत्वपूर्ण है कि पाकिस्तान भारत के आपरेशन सिंदूर से पराजित होकर चीन की मदद से अपने परमाणु हथियारों को उन्नत करने की कोशिश में जुट गया है। ऐसे में दो शत्रु देश चीन और पाकिस्तान के साथ होने से भारत के लिए एआइ साइबर तकनीक और मिसाइल रक्षा जैसी नई तकनीक से उन्नत परमाणु शक्ति बनना जरूरी है।

पाहाल में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि उनकी सरकार ने देश को आर्थिक और सामरिक क्षेत्र में मजबूत बनाया है। आपरेशन सिंदूर के तहत भारतीय सेना ने महज 22 मिनट में स्वदेशी हथियारों से दुश्मन को घुटने टेकने पर मजूबर कर दिया। अब भारत को दुनिया की आर्थिक शक्ति बनने, पाकिस्तान और चीन की चुनौतियों से मुकाबले के लिए उन्नत एआइ से संपन्न एवं आर्थिक रूप से सशक्त देश बनने की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। इजरायल-ईरान युद्ध और आपरेशन सिंदूर का विश्लेषण बताता है कि अब युद्ध में एआइ और आर्थिक ताकत की अहमियत बढ़ गई है और परमाणु हमले की धमकी बेअसर साबित हो रही है। चूंकि शक्ति के माध्यम से ही शांति आती है और उससे भविष्य के युद्ध भी रोके जा सकते हैं, अतः भारत को हर मोर्चे पर शक्तिशाली बनाना होगा। इसके लिए जरूरी है सरकार, विज्ञानी, तकनीकी विशेषज्ञ, उद्यमी-कारोबारी और जनता एकजुटता दिखाए। भारतीय अर्थव्यवस्था जिस तेजी से बढ़ रही है, उसे देखते हुए देश के वैश्विक आर्थिक शक्ति बनने की उम्मीद बढ़ी है। इजरायल-ईरान युद्ध की चुनौतियों के बीच भारत बहुआयामी आर्थिक सुधारों के बल पर मजबूती के साथ खड़ा है। इस युद्ध से कई देशों में पेट्रोल-डीजल के दाम में वृद्धि, खाद्यान्न सहित जरूरी वस्तुओं की आपूर्ति में कमी और शेयर बाजार में गिरावट आई, वहीं भारत बेहतर स्थिति में रहा। आपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान के साथ संघर्ष का भी भारतीय अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल असर नहीं पड़ा। भारत का बड़ा घरेलू बाजार, निर्यात पर कम निर्भरता, सरकार के भारी पूंजीगत व्यय, बढ़ती क्रय शक्ति और कृषि क्षेत्र में सफलता ने देश को बाहरी आर्थिक झटकों से झेलने में सक्षम बनाया है। युद्ध के दौर में भी भारत के निर्यात बढ़े और प्रत्यक्ष विदेशी निवेश में वृद्धि हुई है। इजरायल-ईरान युद्ध से जहां दुनिया में महंगाई बढ़ी, वहीं भारत में घटी। भारत की खुदरा महंगाई दर महज 2.82 प्रतिशत और थोक महंगाई दर महज 0.39 प्रतिशत है। यह पिछले 14 महीनों का सबसे निचला स्तर है। देश के खाद्यान्न भंडार में एक साल से भी अधिक की जरूरतों को पूरा करने लायक गेहूं और चावल हैं। कृषि उत्पादन के तीसरे अग्रिम अनुमान के मुताबिक इस वर्ष खाद्यान्न उत्पादन लगभग 6.5 प्रतिशत बढ़कर 35.39 करोड़ टन के रिकार्ड स्तर पर पहुंच सकता है। युद्ध के बीच भी भारत पर दुनिया का आर्थिक विश्वास बना रहा। इस समय भारत के पास 699 अरब डालर से अधिक का विदेशी मुद्रा भंडार है। भारत की विकास दर चालू वित्त वर्ष 2025-26 में 6.5 प्रतिशत रहेगी। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आइएमएफ) की विश्व आर्थिक परिदृश्य से जुड़ी रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्ष 2025 में भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनते हुए दिखाई देगा। भारत को दुनिया की नई आर्थिक शक्ति बनाने के लिए कुछ बातों पर ध्यान देना चाहिए। चीन से आयात में कमी लाकर व्यापार घाटा नियंत्रित किया जाना चाहिए। चीन के साथ द्विपक्षीय कारोबार में भारत लगातार घाटे की स्थिति में बना हुआ है। वित्त वर्ष 2024-25 में चीन के साथ व्यापार घाटा बढ़कर 99.2 अरब डालर हो गया, जो 2023-24 में 85.07 अरब डालर था। ब्रिटेन के बाद अब अमेरिका और यूरोपीय संघ से नए मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) और द्विपक्षीय व्यापार समझौते कर व्यापार घाटे में कमी लाई जा सकती है। भारत को ओमान, कनाडा, दक्षिण अफ्रीका, इजरायल सहित खाड़ी के प्रमुख देशों के साथ भी एफटीए को शीघ्रतापूर्वक अंतिम रूप देना चाहिए। सूक्ष्म, लघु और मझोले उद्यम (एमएसएमई) तेज विकास एवं रोजगार के लिए एक कारगर माध्यम बन सकते हैं। एमएसएमई निर्यात बढ़ाते हुए आयात नियंत्रित करके आर्थिक चिंताए कम कर सकते हैं। इस समय भारत का सेवा निर्यात तेजी से बढ़ रहा है। इसके कारण भारत को सेवा निर्यात की वैश्विक राजधानी के रूप में देखा जा रहा है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में भारत का सेवा निर्यात करीब 387.5 अरब डालर रहा। देश से सेवा निर्यात बढ़ाकर भी व्यापार घाटे में कमी लाई जा सकती है। आत्मनिर्भर भारत अभियान, मेक इन इंडिया, जीएसटी और लाजिस्टिक सुधार के साथ-साथ आर्थिक और वित्तीय सुधार भी भारतीय अर्थव्यवस्था को तेजी से आगे बढ़ा सकते हैं। इस बीच, दुनिया में नए हथियारों का विकास नई हथियार दौड़ को जन्म दे रहा है। दुनिया के नौ परमाणु शक्ति संपन्न देश अमेरिका, रूस, ब्रिटेन, फ्रांस, चीन, भारत, पाकिस्तान, उत्तर कोरिया एवं इजरायल अपने परमाणु हथियारों को और उन्नत करने में जुटे हैं। अमेरिका और रूस के पास दुनिया के करीब 90 प्रतिशत परमाणु हथियार हैं। चीन के पास करीब 600 परमाणु हथियार हैं। भारत के पास 180 और पाकिस्तान के पास 170 परमाणु हथियार हैं। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि पाकिस्तान भारत के आपरेशन सिंदूर से पराजित होकर चीन की मदद से अपने परमाणु हथियारों को उन्नत करने की कोशिश में जुट गया है। ऐसे में दो शत्रु देश चीन और पाकिस्तान के साथ होने से भारत के लिए एआइ, साइबर तकनीक और मिसाइल रक्षा जैसी नई तकनीक से उन्नत परमाणु शक्ति बनना जरूरी है। सरकार को इजरायल-ईरान युद्ध और आपरेशन सिंदूर से मिले सबक के मद्देनजर देश को आर्थिक, उन्नत एआइ और परमाणु शक्ति संपन्न बनाने के लिए रणनीतिपूर्वक आगे बढ़ना चाहिए।

राशिफल

मेष राशिः करियरः माता-पिता के आशीर्वाद से आज आपको काम में अच्छे परिणाम मिलने से मन प्रसन्न होगा. दूसरों पर आपके काम और व्यवहार का पॉजिटिव असर पड़ेगा. बिजनेसः अगर आप कोई नया बिजनेस शुरू करना चाह रहे हैं, तो बिजनेस संबंधित क्षेत्र से जुड़े लोगों से एक बार सलाह जरूर ले लें

वृषभ राशिः करियरः जो लोग काफी दिनों से जॉब की तलाश में हैं, ऐसे संकेत धनः जो लोग जॉब कर रहे हैं, आज उन्हें अपने अच्छे काम के लिये इन्क्रीमेंट मिल सकता है स्वास्थ्यः आपका उत्साह बना रहने के साथ-साथ मन में नई चीजों को जानने के लिए उत्सुकता भी रहेगी

मिथुन राशिः करियरः आपको ऑफिस में काम कर रहे लोगों से किसी प्रोजेक्ट को लेकर सलाह मिल सकती है, लेकिन आपको अपनी समझ से फैसले लेने की जरूरत है. काफी दिनों से कोई रुका काम आज पूरा हो जायेगा बिजनेसः आप बिजनेस में नई चुनौतियों से निपटेंगे धनः आपको अपने काम में निरंतरता बनाये रखनी चाहिए इससे लोग आपके साथ जुड़े रहेंगे और धनलाभ के योग.

कर्क राशिः करियरः आपको हर काम में सावधान रहने की जरूरत है. किसी दूसरे व्यक्ति की वजह से आपके काम में जरूरत से ज्यादा समय लग सकता है धनः अपनी आर्थिक स्थिति पर थोड़ा ध्यान रखना चाहिए, अपने खर्चों पर कण्ट्रोल करें

सिंह राशिः करियरः आप काम के सिलसिले में किसी दूसरे शहर की यात्रा कर सकते हैं बिजनेसः कोई व्यक्ति आपके विचारों को दबाने की कोशिश कर सकता है धनः मेहनत का फल आपको जरूर मिलेगा.स्वास्थ्यः इस राशि की महिलाओं को अपने स्वास्थ्य पर ध्यान देने की जरूरत है

कन्या राशिः करियरः ऑफिस मीटिंग के दौरान आप अपनी बात अच्छे से रख पायेंगे। सब लोग आपकी प्रेजेन्टेशन से खुश होंगेबिजनेसः आप सारे काम बखूबी पूरा करेंगे. जो लोग मॉडलिंग के क्षेत्र से जुड़े हैं, उन्हें किसी अच्छी ब्रांड के लिये काम करने का मौका मिल सकता है.

तुला राशिः करियरः ऑफिस में सीनियर के साथ इधर-उधर की बातें करने से आपको बचना चाहिए. बिजनेसः व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होना तय हैधनः आप घर में किसी प्रकार का सुधार करवा सकते हैं. घर के लिये कुछ जरूरी चीजें भी खरीद सकते हैं। लेकिन ध्यान रहे जो भी करें

वृश्चिक राशिः करियरः आप जीवन में किसी तरह के बदलाव को लेकर सोच-विचार करेंगे. साथ काम करने वाले लोगों से भी इस बारे में बात करेंगेबिजनेसः कला के क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिये आज का दिन अच्छा रहेगा.

धनु राशिः करियरः व्यापारी वर्ग का रूका हुआ काम आज तेजी के साथ आगे बढ़ने से आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर रहेगीबिजनेसः वकीलों को आज किसी महत्वपूर्ण केस में सफलता मिलेगी.

मकर राशिः करियरः बेहतर होगा किसी बड़े की सलाह लेकर काम करें. बिजनेसः आप कोई ऑनलाइन काम शुरू करने का मन बनायेंगे, जिसमे परिवार के सदस्यों का सहयोग प्राप्त होगाधनः पैसों के मामले में आपको अपने जीवनसाथी की जरूरत पड़ सकती है

कुंभ राशिः करियरः आपका व्यक्तित्व खुशबू की तरह चारों तरफ महकेगा. आपको कोई बड़ी प्रसिद्धि मिल सकती हैस्वास्थ्यः बेहतर स्वास्थ्य के लिये सुबह टहलने के बाद एक्सरसाइज जरूर करें, जल्द ही फायदा नजर आयेगा

मीन राशिः करियरः इंजिनियरिंग की जॉब कर रहे लोगों को पदोन्नति का अवसर मिलेगा बिजनेसः जो लोग इलेक्ट्रॉनिक के काम से जुड़े हैं, आज उनके काम में अच्छा मुनाफा होगा.धनः आर्थिक रूप से आप मजबूत रहेंग. लव/पारिवारिकः दाम्पत्य जीवन में आपसी विश्वास के सहारे संबंधों में मजबूती आयेगी। अपने किसी पुराने मित्र के साथ घूमने का प्रोग्राम कर सकते हैंउपायः किसी जरूरतमंद को कपड़े दान करें

ज्योतिष सेवा केन्द्र
ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

बाह्य तथा आंतरिक सुरक्षा के खतरे

भारत संप्रभुता एकता तथा अखंडता का वैश्विक स्वच्छ एवं साफ-सुथरी छवि वाला एकमात्र बड़ा लोकतांत्रिक देश है। अमेरिका में भी लोकतंत्र है पर वहां पूंजीवादी व्यवस्था तथा व्यापक व्यवसायीकरण ने अनेक राष्ट्रपतियों को विस्तार वादी तथा साम्राज्यवादी मानसिकता का बना दिया है। अमेरिका की शक्ति संपन्नता अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उसे एक संवेदनहीन, लोकतांत्रिक एवं निरंकुश राष्ट्र के रूप में स्थापित कर चुकी है। अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में अमेरिका और विभिन्न काल खंडों में अलग-अलग देशों को एक दूसरे से युद्ध करने के उकसाने के लिए बदनाम रहा है, और उसकी इस इस कूटनीति का सबसे बड़े एवं तात्कालिक उदाहरण अफगानिस्तान में तालिबान आतंकवादियों का कब्जा एवं और रूस यूक्रेन युद्ध में यूक्रेन अमेरिकी तथा अमेरिकी समर्थित नैटो एवं यूरोपीय देशों की भूमिका ही रही है। इसी तरह इसराइल हमास युद्ध में इसराइल को खुला समर्थन देकर अमेरिका ने विस्तारवाद तथा साम्राज्यवाद की आग को हवा देने का काम किया है और लगभग 2 हजार लोगों की जान को जिंदगी से वंचित कर दिया है। दूसरी तरफ भारत एक विशाल लोकतांत्रिक देश होने के साथ-साथ शांति सौहार्द्र और गुटनिरपेक्षता का पक्षधर रहा है। भारत देश में सदैव वैश्विक शांति का संदेश ही दिया है, यह अलग बात है कि भारत में धार्मिक सामाजिक आर्थिक विविधता विषमता के कारण अंदरूनी विवादों तथा आतंकवादी गतिविधियों के कारण अशांत रहने पर मजबूर किया है। भारत की आंतरिक सुरक्षा भी पिछले 20 वर्षों से अलग-अलग शहरों यहां तक संसद भवन के हमलों और कश्मीर में विभिन्न समय तथा स्थानों पर आतंकवादी हमलों ने भारत की आंतरिक व्यवस्था में उथल-पुथल मचाने का प्रयास किया है, भारत की शक्ति और सामर्थ्य इतनी सक्षम है कि आतंकवादियों के हमलों का भारत सरकार ने समय-समय पर मुंहतोड़ जवाब भी दिया है। पठानकोट और पुलवामा हमले इसके सबसे सशक्त और सक्षम मामले हैं जहां भारत ने पाकिस्तान में घुसकर आतंकवादियों के ठिकानों को नष्ट किया है। जम्मू कश्मीर में भी छुटपुट घटनाओं के अलावा स्वतंत्रता के बाद से शांति का माहौल स्थापित हुआ है। जहां तक भारत की सीमा के विवाद का प्रश्न है तो भारत भौगोलिक रूप से एशिया के दक्षिणी भाग में स्थित है और भारत की सीमाएं 7 जिनमें चीन, नेपाल, म्यानमार, भूटान, श्रीलंका, बांग्लादेश और पाकिस्तान देश शामिल हैं। भारत सदैव अपने पड़ोसियों से शांति के संबंध स्थापित रखना चाहता है। भारत की विदेश नीति गुटनिरपेक्ष एवं शांति, सद्भावना की रही है। भारत के साथ पड़ोसी देशों में भूटान, बांग्लादेश श्रीलंका, मालदीव, सदैव भारत के साथ मित्रवत रहे हैं किंतु चीन तथा पाकिस्तान ने हमेशा भारत के हितों का नुकसान की चाहा है भूटान, बांग्लादेश, और बांग्लादेश ने भारत से अपने संबंध अपने हितों से जोड़कर कई संधियों में हस्ताक्षर किए, जिसके कारण दोनों देशों ने मिलकर कई पावर प्लांट, पावर ट्रांसमिशन लाइन, 1 बंदरगाह की विकास रेल लाइन निर्माण आदि में एक दूसरे का साथ दिया है। मालदीव एक एसा देश है जिसका दक्षिण तथा अरब सागर में सामरिक महत्व है, इसलिए भारत के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। चीन पाकिस्तान के अलावा नेपाल से भी भारत के संबंध बहुत मधुर कभी नहीं रहे हैं नेपाल में चीन तथा पाकिस्तान के हस्तक्षेप के कारण नेपाल भारत की आलोचना करता आया है। पाकिस्तान का इस्लामिक कट्टरपंथ एवं वहां की सेना तथा पाकिस्तानी शासन के हुक्मरान भारत को अपना दुश्मन नंबर एक मानते हैं। भारत का नेपाल के साथ सीमा विवाद है जिसके चलते नेपाल का नजरिया भारत के प्रति बदलता गया है। भारत और चीन के संबंध 1962 के बाद से सभी सामान्य नहीं रहे हैं। लाइन आफ एक्चुअल कंट्रोल में चीन ने अरुणाचल प्रदेश तथा लद्दाख में सदैव अतिक्रमण किया है और भारत का चीन से डोकलाम, पपेंगांग, गलवान क्षेत्रों में सैनिक स्तर का विवाद होता रहा है और एलएसी पर चीन और भारत में बड़ी संख्या में सैनिकों को तैनात किया है। इसी बात में अमेरिका भारत के साथ है किंतु रूस इस मामले में निरपेक्ष नीति अपनाए हुए हैं। यह अलग बात है कि अमेरिका भारत का स्वतंत्रता के बाद से तभी सहयोगी मित्र नहीं रहा है और रूस ने परंपरागत रूप से अपनी मित्रता भारत के साथ अलग-अलग घटनाओं तथा युद्धों में साबित की है। यह तो तय है कि भारत में आतंकी गतिविधियां आंतरिक सुरक्षा के लिए हमेशा खतरा बनी हुई थी और है। इसके अलावा एल ए सी तथा एलओसी में चीन तथा पाकिस्तान जैसे देशों से हमें मुकाबला करना होगा। पाकिस्तान दिवालिया होने की कगार पर है पर चीन की मदद तथा उकसावे के कारण पाकिस्तान भारत को एक बड़ा दुश्मन मानती है। वैसे तो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत सरकार की सभी देशों से अच्छी मित्रता है एवं भारत को शांति का पक्षधर माना जाता है किंतु रूस यूक्रेन युद्ध में यह बात एकदम स्पष्ट उभर कर आई है कि किसी भी युद्ध में देश को अपनी सुरक्षा खुद की शक्ति एवं सामर्थ्य से करनी होगी। अमेरिका जैसे देश बाहर से तमाशा देखने वाले देशों में माने जाते हैं। अतः भारत को अपनी आंतरिक तथा सीमा की सुरक्षा स्वयं के शक्ति तथा सामर्थ से ही करनी होगी एवं हमेशा सतर्कता बरतनी होगी।

राजनीति में अब चापलूसों की चौकड़ी में रहने के दिन लद गए- चौकन्नी हुई जनता-विधायक सांसद व मंत्री को अब टैलेंट चौकड़ी में दिखना बेहतर रहेगा

वैश्विक स्तरपर राजनीतिक क्षेत्र में बहुत तेजी के साथ बदलाव होते दिख रहे हैं। एक जमाना था जब पंचायत समिति मेंबर से लेकर मंत्री तक चापलूसों से घिरे रहकर, जी हुजूरी का जीवन जीते थे, मगर आज ऐसादिखा तो हाई कमान बाहर का रास्ता दिखा देते हैं।अपने अन्य नेताओं की चापलूसी के अनेक किस्से हम इलेक्ट्रॉनिक व सोशल मीडिया पर देख चुके हैं परंतु, अब ऐसा युग शुरू हो गया है कि, नेतागण जनता के साथ ईमानदार कर्मठ योग्यता के धनी कर्तव्यनिष्ठ निष्पक्ष व्यक्तियों के सानिध्य में रहना जरूरी है। 2 वर्ष पूर्व हमने देखे कि तीन-चार राज्यों के ऐसे व्यक्तियों को मुख्यमंत्री बनाया गया जो चौथी कतार में बैठे थे, सबसे बड़ी बात वर्तमान राष्ट्रपति महोदय को भी हम दूर-दूर तक नहीं जानते थे। आज जनता ऐसा बदलाव चाहती है, ताकि भारत का सर्वांगीण हिस्सा विकास हो। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र, इस चापलूसी पर पैनी नजर रखता हूं, व देखता हूं कि हमारी राइस सिटी गोंदिया में दो थाना क्षेत्र है, वहां जब भी नए थानेदार से लेकर एसपी तक वह एसडीओ से लेकर कलेक्टर तक पदभार संभालते हैं, तो एक समाज ग्रुप उनका जबरदस्त स्वागत करता है, व उनके फोटो निकालकर पूरे प्रिंट इलेक्ट्रॉनिक व सोशल मीडिया पर प्रचारित करते हैं, यानें असल में वे यह दिखाना चाहते हैं कि देखो हमारी इतनी पहचान व रुतबा है। मेरा मानना है कि यह ट्रांसफर पोस्टिंग तो होती रहती है, उन्हें अपनी जिम्मेदारी निभानी ही है, परंतु उन अधिकारियों को संज्ञान देना चाहिए कि कहीं इनका कोई हित, स्वार्थ, चापलूसी या कोई गैर कानूनी व्यवसाय व्यापार या दलाली तो नहीं? यह पता करना उनका कर्तव्य है। ठीक वैसा ही आज समाज व आध्यात्मिक क्षेत्र में भी संज्ञान लेने की जरूरत है, ताकि इन चापलूसों को जड़ से उखाड़ फेंका जा सके, जो अपने निजी स्वार्थ के लिए नेताओं, आध्यात्मिकता व सामाजिक कर्तव्यबध व्यक्तियों के अपने मतलब के लिए आगे पीछे घूमते हैं चूँकि आज आधुनिक युग में राजनीतिक सामाजिक आध्यात्मिक क्षेत्र में चापलूसों को हटाकर काबिल व टैलेंटेड साथियों को सेवाएं देना समय की मांग है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, राजनीति में अब चापलूसों की चौकड़ी में रहने के दिन लद गए, चौकन्नी हुई जनता, विधायक सांसद व मंत्री को टैलेंट की चौकड़ी में रहने की जरूरत है।

साथियों बात अगर हम चापलूसी की करें तो, भारत में हम दैनिक दिनचर्या में राजनीतिक सामाजिक इत्यादि अनेक क्षेत्रों में चापलूस शब्द अक्सर सुनते रहते हैं। अधिकतम बयानबाजी में चापलूस शब्द का उल्लेख किया जाता है। अक्सर हम देखते हैं कि किसी भी पार्टी या सामाजिक संस्था में से अलग होने वाला नेता समाजसेवी सेवक कार्यकर्ता ऐसा जरूर बयान देता है कि पार्टि, संस्था अब चापलूसों से घिर गई है मेरा उसमें काम करना कठिन हो गया था, या फलाना हमारा लीडर चापलूस लोगों की ही सुनता है! स्वाभिमानी इंसान का वहां मूल्य नहीं! चापलूसी को झूठी प्रशंसा चाटुकारिता, मक्खनबाजी, खुशामद, बढ़ई दिखावी आवभगत, चने के झाड़ पर चढ़ाना इत्यादि अनेक शब्दों का एक जुमला प्रसंग के रूप में परिभाषित कर सकते हैं। अगर हम किसी व्यक्ति की तारीफ में यही उपरोक्त शब्दों को एकीकृत कर अपनी भावनाओं को व्यक्त करते हैं तो हमें अप्रत्यक्ष रूप से चापलूस बाज कहा जा सकता है। जबकि पूरी पारदर्शिता, सौ बात की एक बात, कड़वी सच्चाई, मुंह पर बोलना, बिना लाग लपेट के बोलना इत्यादि गुणों वाले व्यक्ति को स्वाभिमानी की संज्ञा दी जाती है।

विकसित भारत निर्माण के लिए मार्गदर्शित करता है मन की बात:नन्दी

उत्तर प्रदेश के औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी ने अपने विधानसभा क्षेत्र में सुनी मन की बात

भारत संवाद

उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी ने रविवार को अपने प्रयागराज शहर दक्षिणी विधानसभा क्षेत्र के चौक मंडल के बूथ संख्या 161 सत्तीचौरा मालवीय नगर में पार्टी पदाधिकारियों, कार्यकताओं, व्यापारी भाइयों, समर्थकों एवं आमजन के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम को सुना।मंत्री नन्दी ने कहा कि मन की बात केवल विचारों का संवाद नहीं, बल्कि सरकार की प्राथमिकताओं को समझने और जनभागीदारी को महसूस करने का एक प्रेरक माध्यम है। यह कार्यक्रम हर भारतीय को राष्ट्र निर्माण की यात्रा में सहभागी बनने का आमंत्रण देता है।मंत्री नन्दी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संबोधन जनकल्याण, सांस्कृतिक पुनर्जागरण, नवाचार तथा आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को सशक्त करने वाले सामूहिक प्रयासों में नई ऊर्जा का संचार करने वाला रहा।यह हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है।

ईरान-इजराइल युद्ध का बाजार पर असर

प्रयागराज में सेंधा नमक और ड्राई फ्रूट्स के दाम 25 रुपए तक बढ़े, सावन–मोहर्रम में डिमांड ज्यादा

भारत संवाद

प्रयागराज, सावन मास की शुरूआत और मोहर्रम के मौके पर प्रयागराज की धार्मिक तैयारियों में जहां आस्था का माहौल बन रहा है, वहीं महंगाई ने आम जनता की चिंता बढ़ा दी है। इसका सीधा कारण बना है–ईरान और इजराइल के बीच जारी युद्ध, जिसने भारतीय बाजार में खाड़ी देशों से आने वाली कई जरूरी वस्तुओं की आपूर्ति को प्रभावित किया है। प्रयागराज के थोक व्यापारियों के अनुसार, बीते 15 दिनों में सेंधा नमक, पिस्ता, बादाम, काजू, खजूर और केसर जैसे ड्राई फ्रूट्स के दामों में 20-25% तक का उछाल देखा गया है। ये तमाम सामग्री खाड़ी देशों विशेषकर ईरान और इराक से भारत आती है। युद्ध के चलते वहां के बंदरगाह कई दिनों तक बंद रहे, जिससे भारत में इन

वस्तुओं की सप्लाई बुरी तरह प्रभावित हुई है। सावन के व्रत रखने वाले श्रद्धालु सेंधा नमक का विशेष रूप से सेवन करते हैं, क्योंकि यह शुद्ध और उपवास योग्य माना जाता है। अब जब इसकी कीमतें तेजी से बढ़ रही हैं, तो श्रद्धालुओं की जेब पर सीधा असर पड़ा है। दूसरी ओर, मोहर्रम के दौरान भी कई धार्मिक आयोजन और विशेष पकवानों में खजूर, काजू, बादाम, पिस्ता आदि की मांग बढ़ जाती है। अब इनका महंगा होना मुस्लिम समुदाय के लिए भी चिंता का विषय बन गया है। ताजिया, नज़्र और फातिहा में उपयोग होने वाले सामान भी प्रभावित हो रहे हैं। थोक व्यापारियों का कहना है कि मौजूदा स्टॉक सीमित है। अगर खाड़ी देशों से सप्लाई जल्द नहीं आई, तो आने वाले त्योहारों में स्थिति और गंभीर हो सकती है। ग्राहक भी बढ़ती कीमतों से परेशान हैं, और दुकानदार यही कह रहे है सप्लाई कम है, इसलिए रेट बढ़े हैं।इ जहां एक ओर युद्ध के दौरान सरकार ने भारतीय नागरिकों को सुरक्षित निकाला, वहीं अब जरूरत है कि आपूर्ति श्रृंखला को फिर से सुचारू करने के लिए भी कूटनीतिक प्रयास तेज किए जाएं। सावन और मोहर्रम के बाद रक्षाबंधन, जन्माष्टमी, नवरात्रि, दुर्गा पूजा और दिवाली जैसे पर्वों का

फास्ट ट्रैक

एक पेड़ मां के नाम एवं मन की बात कार्यक्रम

भारत संवाद

आज दिनांक 29 जून को अतरसुइया वार्ड में पजामा रामलीला पार्क में गिरी शंकर प्रभाकर(गिरी बाबा) के नेतृत्व में वृषारोपण का कार्यक्रम किया गया।जिसमे मुख्य अतिथि के रूप में ज्ञानेश्वर शुक्ला , बृजेश मिश्रा जी उपस्थित थे ।मन की बात के कार्यक्रम सुनते हुए जिसमे मोदी जी ने आपातकाल के 50वर्ष बारे में बताया योग के विषय पर चर्चा की अंतरिक्ष से सुधांशु शुक्ला से चर्चा के बारे में बताया ।कार्यक्रम में श्री मनोज मिश्रा,प्रवीण मालवीय वार्ड अध्यक्ष अजय कुमार श्रीवास्तव श्री रवि सिलवाना आदि अनेकों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

थाना कछवां पुलिस द्वारा नाबालिक के साथ दुष्कर्म के अभियोग से सम्बन्धित अभियुक्त गिरफ्तार

भारत संवाद

थाना कछवां, जनपद मीरजापुर पर दिनांकः 28.06.2025 को एक व्यक्ति द्वारा नामजद अभियुक्त के विरूद्ध वादी की नाबालिक पुत्री के साथ दुष्कर्म करने तथा किसी से बताने पर जान से मारने की धमकी देने के सम्बन्ध लिखित तहरीर दी गई ।उक्त के सम्बन्ध में प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना कछवां पर मु0अ0सं0-110/2025 धारा 65(1),351(2) बीएनएस व श पॉक्सो एक्ट पंजीकृत कर विवेचना प्रारम्भ की गई ।सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा उक्त घटना को गंभीरता से लेते हुए क्षेत्राधिकारी सदर के नेतृत्व में अभियुक्त की यथाशीघ्र गिरफ्तारी हेतु प्रभारी निरीक्षक कछवां को निर्देश दिए गए ।उक्त निर्देश के अनुक्रम में थाना कछवां पर पंजीकृत उपरोक्त अभियोग में पतारसी-सुरागरसी एवं अग्रिम विवेचनात्मक कार्यवाही के क्रम में आज दिनांकः 29.06.2025 को प्रभारी निरीक्षक कछवां-अमरजीत चौहान मय पुलिस टीम द्वारा प्राप्त मुखबिर सूचना के आधार पर थाना कछवां क्षेत्रान्तर्गत ग्राम चड़िया के पास से मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित नामजद अभियुक्त किशन उर्फ कृष्ण कुमार पुत्र निखिद्दी निवासी बंधवा थाना कछवां जनपद मीरजापुर को गिरफ्तार कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए मा0न्यायालय/जेल भेजा गया ।

थाना जिगना पुलिस द्वारा नाबालिक को बहला फुसलाकर भगाने व दुष्कर्म करने के अभियोग से सम्बन्धित अभियुक्त गिरफ्तार

भारत संवाद

थाना जिगना, जनपद मीरजापुर पर दिनांकः10.06.2025 को एक महिला द्वारा नामजद अभियुक्त के विरूद्ध वादिनी की नाबालिक पुत्री को बहला फुसलाकर भगाने व दुष्कर्म करने तथा किसी से बताने पर जान से मारने की धमकी देने के सम्बन्ध लिखित तहरीर दी गई ।उक्त के सम्बन्ध में प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना जिगना पर मु0अ0सं0-169/2025 धारा 137(2), 87,65(1),351(2) बीएनएस व पॉक्सो एक्ट पंजीकृत कर विवेचना प्रारम्भ की गई ।सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा उक्त घटना को गंभीरता से लेते हुए क्षेत्राधिकारी लालगंज के नेतृत्व में अभियुक्त की यथाशीघ्र गिरफ्तारी हेतु प्रभारी निरीक्षक जिगना को निर्देश दिए गए ।

डबल इन्जन सरकार- जनता के द्वार

ग्राम चौपालो (गांव की समस्या गांव मे समाधान) के माध्यम से किया जा रहा है ग्रामीणों की समस्याओ का समाधान

- ग्राम चौपालों में 05 लाख से अधिक समस्याओं/प्रकरणों का किया गया निस्तारण
- अब तक 01 लाख 48 हजार से अधिक ग्राम चौपालों का किया गया आयोजन
- शुक्रवार को 1271 ग्राम पंचायतों में किया गया, ग्राम चौपालों का आयोजन

भारत संवाद

लखनऊः उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य के नेतृत्व व निर्देशन में ग्रामीणो की समस्यायों के निराकरण हेतु प्रदेश के प्रत्येक विकास खण्ड की दो ग्राम पंचायतों में प्रत्येक शुक्रवार को ग्राम चौपाल,(गांव की समस्या -गांव में समाधान)का आयोजन किया जा रहा है,और बहुत बड़ी संख्या में लोगों की समस्यायों का निराकरण उनके गांव में ही हो रहा है।डबल इन्जन सरकार खुद चलकर गांव व गरीबों के पास जा रही है, ग्राम चौपालों से जहां गांवों में चल रही विभिन्न परियोजनाओं की जमीनी हकीकत का पता चलता है, वहीं सोशल सेक्टर की योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी आ रही है।उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य के निदेर्शों के अनुपालन में ठोस व प्रभावी रूपरेखा बनाकर चौपालों का आयोजन किया जा रहा है तथा चौपालों से पूर्व गांवों में सफाई पर विशेष रूप से फोकस किया जा रहा है और चौपालों के बारे में अधिक से अधिक प्रचार प्रसार भी किया जा रहा है व्यक्तिगत समस्याओं के अलावा सार्वजनिक समस्याओं का भी समाधान चौपालों में हो रहा है।उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने सम्बंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि ग्राम चौपालों का आयोजन विधिवत किया जाता रहे। ग्राम्य विकास विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार शुक्रवार को प्रदेश की 1271ग्राम पंचायतों में ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया, जिनमें 2876प्रकरणो का निस्तारण गांव पंचायतों में ही कर दिया गया।इन ग्राम चौपालों मे 3389ब्लाक स्तरीय अधिकारी व कर्मचारी तथा 5503ग्राम स्तरीय कर्मचारी मौजूद रहे और इन चौपालों में 61 हजार से अधिक ग्रामीणों ने सहभागिता की।आयुक्त ग्राम्य विकास विभाग,श्री जी एस प्रियदर्शी ने बताया कि लगभग 2.5 साल से ग्राम चौपालों का आयोजन किया जा रहा है।01 लाख 48 हजार से अधिक ग्राम चौपालों का आयोजन किया जा चुका है,जिनमें 96 लाख से अधिक ग्रामवासी मौजूद रहे और 05लाख से अधिक समस्याओं/प्रकरणों का निस्तारण किया गया।

वृद्ध को वाहन ने टक्कर मारी

अस्पताल ले जाते समय 65 वर्षीय दिनेश यादव की मौत, पुलिस सीसीटीवी से कर रही चालक की तलाश

भारत संवाद

प्रयागराज, थरवई थाना क्षेत्र में एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। 49 नंबर फाटक के पास एक अज्ञात वाहन ने 65 वर्षीय दिनेश यादव को टक्कर मार दी। दिनेश यादव विसुनदास का पुरवा पडिला के निवासी थे। वह अपने परिवार के साथ रहते थे और खेती एवं पशुपालन से जीविकोपार्जन करते थे। टक्कर इतनी तेज थी कि वह मौके पर ही बेहोश हो गए। स्थानीय लोगों ने

घायल दिनेश को पहले नजदीकी अस्पताल पहुंचाया। वहां डॉक्टरों ने गंभीर स्थिति देखते हुए इलाज से मना कर दिया।

इसके बाद परिजन उन्हें स्वरूप रानी अस्पताल ले गए। वहां प्राथमिक उपचार के दौरान ही उनकी मृत्यु हो गई। थरवई थाना पुलिस ने परिवार की शिकायत पर अज्ञात वाहन और चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम की कार्रवाई शुरू कर दी है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से वाहन और चालक की पहचान की कोशिश की जा रही है।

दिनचर्या संतुलित रहे,वृक्षारोपण करना प्रत्येक मनुष्य का कर्तव्य

भारत संवाद

नैनी प्रयागराज/भारतीय जनता पार्टी नैनी मंडल किसान मोर्चा के नेतृत्व में आज नैनी प्रयागराज कॉटन मिल तिराहे पर वृक्षारोपण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात के बाद किसान मोर्चा महानगर अध्यक्ष राजेश सिंह पटेल के निदेर्शानुसार नैनी मंडल के कार्यकर्ता के द्वारा वृक्षारोपण का कार्यक्रम संपन्न हुआ इस अवसर पर जिलाउपाध्यक्ष संजय श्रीवास्तव भाजपा किसान मोर्चा प्रयागराज ने कहा कि हम सभी का परम कर्तव्य है कि प्रत्येक मनुष्य एक वृक्ष मां के नाम अवश्य लगे और उसका पालन पोषण करें जिससे वृक्ष से हमें ऑक्सीजन कार्बन डाइऑक्साइड जीने का शुद्ध हवा प्रदान होती है अल्पसंख्यक मोर्चा भाजपा काशी क्षेत्र,क्षेत्रीय उपाध्यक्ष सरदार पतविन्दर सिंह ने कहा कि दिनचर्या बहुत ही असंतुलित हो गई है प्रदूषण बहुत फैल चुका है ऐसे में प्रत्येक व्यक्ति एक वृक्ष अवश्य लगएऐ। नैनी मंडल अध्यक्ष नीरज शर्मा महामंत्री उमेश सेन भाजपा कार्यकर्ता विकास मिश्रा भाजपा के युवा नेता मोहित अग्रहरि नित्यानंद मिश्रा रमेश पटेल धर्मराज पटेल आज कार्यकताओं ने वृक्षारोपण कार्यक्रम में शामिल हुए

प्रेरक रामकहानी पुस्तक का लोकार्पण एवं काव्यगोष्ठी

भारत संवाद

प्रयागराज । आज प्रयागराज के वरिष्ठ कवि शिवराम उपाध्याय 'मुकुल मतवाला' के आवास रैन बसेरा पर एक काव्यगोष्ठी एवं 'प्रेरक रामकहानी पुस्तक के लोकार्पण का आयोजन प्रयागराज के वरिष्ठ कवि डॉ इंदु प्रकाश मिश्र की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। इस काव्यगोष्ठी के मुख्य अतिथि शहर समता विचार मंच के सचिव उमेश श्रीवास्तव एवं आलोचक एवं समीक्षक रविनंदन सिंह रहे और विशिष्ट अतिथि कमल नारायण शुक्ला रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती माँ की प्रतिमा पर माल्यार्पण द्वारा हुआ। वाणी वंदना रचना सक्सेना ने की। सर्वप्रथम पुस्तक का लोकार्पण हुआ तत्पश्चात काव्यगोष्ठी हुई।इस अवसर पर संजय सक्सेना , के पी गिरि, शिव राम गुप्त, महक जौनपुर, रचना सक्सेना, उमेश श्रीवास्तव, कमल नारायण शुक्ल, रविनंदन सिंह, योगेन्द्र पाण्डेय, सुधांशु ने सुंदर- सुंदर रचनाओं को प्रस्तुत करके आयोजन में चार चांद लगा दियें।

प्रोफेसर राजेंद्र सिंह (रज्जू भैया) विश्वविद्यालय प्रयागराज को नैक टीम द्वारा ए ग्रेड दिए जाने पर पी0बी0 पी0 जी0 परिवार ने दी बधाई.....

भारत संवाद / संवाददाता प्रतापगढ़ सिटी

शहर से सटे प्रताप बहादुर स्नातकोतर महाविद्यालय के प्रबंधक राजा अनिल प्रताप सिंह ने प्रोफेसर राजेंद्र सिंह (रज्जू भैया) विश्वविद्यालय प्रयागराज को नैक द्वारा अ ग्रेड प्रदान किए जाने पर कुलपति प्रोङ्ख अखिलेश कुमार सिंह को हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा अपनी स्थापना से मात्र 7 वर्ष के अल्प काल में ही प्रथम चरण के मूल्यांकन एवं प्रत्यायन में अ ग्रेड प्राप्त करना गौरवपूर्ण उपलब्धि है, महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोङ्ख अमित कुमार श्रीवास्तव एवं आचार्य गण ने कुलपति महोदय एवं नैक कोऑर्डिनेटर प्रोङ्ख विवेक कुमार एवं उनकी टीम को इस बड़ी उपलब्धि पर बधाई देते हुए कहा कि नैक के प्रथम मूल्यांकन में ही अ ग्रेड प्राप्त करना निश्चित तौर पर दशार्ता है की कितनी लगन एवं परिश्रम से कार्य किया गया ।इस सफल परिणाम से प्रेरणा लेते हुए चारों जिले के संघटक महाविद्यालयों में भी नैक के कार्यों में गति आने की उम्मीद है। इस अवसर पर महाविद्यालय के नैक कोऑर्डिनेटर प्रोङ्खब्रह्मानंद प्रताप सिंह, प्रोङ्खउपेंद्र सिंह, प्रोङ्ख रामराज, डॉ राजीव सिंह, श्रीमती रश्मि सिंह, डॉङ्ख श्रद्धा श्रीवास्तव, दिनेश कुमार, डा0 के0 के सिंह, डॉ0सी 0पी 0पांडे ,डॉ वर्षा सिंह ,डॉ देवेश सिंह, डॉ नीरज त्रिपाठी ,डॉ प्रणव ओझा, डॉ कुलदीप, डॉक्टर भोपाल सिंह, अजीत प्रताप सिंह , डॉ राकेश सिंह,अजय कुमार सिंह आदि लोग उपस्थित रहे

मनाया गया सांख्यिकीय दिवस

भारत संवाद

राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण का कार्य गुणवत्तापूर्ण ढंग से करने का संकल्प लिया गया।इस अवसर पर श्रीमती प्रीति यादव कलाकार, श्री महेन्द्र कुमार वरिष्ठ सहायक, श्री अमन कुमार श्रीवास्तव एवं कार्यालय के अन्य अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे।

प्रख्यात सांख्यिकीयविद् प्रोफेसर पी0सी0महालनोबिस के जन्मदिन दिनांक 29 जून को राष्ट्रीय सांख्यिकीय दिवस के रूप में कार्यालय अर्थ एवं संख्याधिकारी, विकास भवन, प्रयागराज में मनाया गया। इस वर्ष राष्ट्रीय सांख्यिकीय दिवस का मुख्य विषय 75 YEARS OF NATIONAL SAMPLE SURVE रहा। इस कार्यक्रम का संचालन श्री विवेक कुमार सिंह, अपर सांख्यिकीय अधिकारी द्वारा किया गया। सर्वप्रथम श्री चन्द्र प्रकाश मौर्य, अपर सांख्यिकीय अधिकारी द्वारा इनके जीवनी पर प्रकाश डाला गया, तत्पश्चात श्रीमती वर्षा पाण्डेय, अपर सांख्यिकीय अधिकारी (रा0प्र0स0) द्वारा NATIONAL SAMPLE SURVEY" के गुणवत्तापूर्ण आँकड़ो के संग्रहण एवं महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। श्री अजय सिंह चंदेल, सहायक सांख्यिकीय अधिकारी द्वारा

जयंती

लाहिड़ी जी का बलिदान, युवाओं के लिए अमर प्रेरणा

क्रांति की लौ राजेन्द्रनाथ लाहिड़ी जी की जयंती पर कोटि-कोटि नमन

काकोरी कांड, एक संघर्ष की गूंज : स्वामी चिदानन्द सरस्वती

भारत संवाद

ऋषिकेश। आज महान स्वतंत्रता सेनानी, काकोरी ट्रेन एक्शन के वीर नायक राजेन्द्रनाथ लाहिड़ी जी की जयंती के पावन अवसर पर परमार्थ निकेतन की दिव्य गंगा आरती उन्हें समर्पित कर स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने श्रद्धाजंलि अर्पित की। श्री राजेन्द्रनाथ लाहिड़ी जी उन अमर बलिदानियों में से हैं, जिनके त्याग और साहस की अग्निशिखा आज भी राष्ट्रप्रेम की लौ जलाए हुए है। उनका जीवन हमें सिखाता है कि मातृभूमि की रक्षा के लिए युवावस्था का प्रत्येक क्षण समर्पित किया जा सकता है। श्री राजेन्द्रनाथ लाहिड़ी जी ने बहुत ही कम आयु में अपने प्रखर राष्ट्रप्रेम, तेजस्विता और अदम्य साहस से यह सिद्ध कर दिया कि एक सच्चा युवा वही है जो अपने देश, संस्कृति और मूल्यों के लिए जीना और मरना जानता हो। वे केवल क्रांतिकारी नहीं थे, बल्कि एक आध्यात्मिक योद्धा थे, जिनके भीतर सत्य, न्याय और स्वतंत्रता की ज्वाला प्रज्ज्वलित थी। 1925 में काकोरी में जब ब्रिटिश खजाना लूटा गया, वह केवल एक ट्रेन डकैती नहीं थी, बल्कि ब्रिटिश सत्ता की नींव को हिलाने वाला क्रांतिकारी कदम था। उसमें राजेन्द्रनाथ लाहिड़ी जी की भूमिका निर्णायक थी। उनका साहस, रणनीति और नेतृत्व कौशल ने आजादी की लड़ाई को नई दिशा दी। उन्हें मात्र 24 वर्ष की आयु में फाँसी दी गई वह भी नियत तिथि से दो दिन पहले ताकि देश में विद्रोह न भड़क उठे। स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने कहा कि जिस राष्ट्र में राजेन्द्रनाथ लाहिड़ी जैसे सपूत जन्म लेते हैं, वह राष्ट्र न कभी गुलाम रह सकता है और न ही आत्मबल खो सकता है। आज जब भारत अमृत काल में प्रवेश कर रहा है, तब हमें यह विचार करना होगा कि क्या हम लाहिड़ी जी के सपनों का भारत बना पाए हैं? आज का युवा यदि डिजिटल सशक्तिकरण के साथ नैतिक मूल्यों, राष्ट्रभक्ति और सेवा भावना से जुड़ जाए, तो भारत फिर से विश्वगुरु बन सकता है। राजेन्द्रनाथ लाहिड़ी जी का जीवन आज के युवाओं के लिए कर्तव्यपरायणता, साहस और आत्मबल का मार्गदर्शक दीप है। उन्होंने हमें सिखाया कि क्रांति केवल हथियारों से नहीं होती, विचारों, समर्पण और सेवा से होती है। स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने कहा कि श्री राजेन्द्रनाथ लाहिड़ी, अशफाकउल्ला खान, रामप्रसाद बिस्मिल, चंद्रशेखर आजाद जैसे वीरों का स्मरण केवल इतिहास नहीं, आत्मा का शुद्धिकरण है। ये स्मृतियाँ हमें आत्मगौरव, आत्मबल और राष्ट्रीय चेतना से जोड़ती हैं। हम इन बलिदानियों को केवल नमन करें इतना पर्याप्त नहीं, बल्कि उनके दिखाए मार्ग पर चलना ही सच्ची श्रद्धांजलि है। राजेन्द्रनाथ लाहिड़ी जी की जयंती केवल एक तारीख नहीं, उस महान यज्ञ की अग्नि का स्मरण है जिसमें हजारों युवाओं ने अपने प्राणों की आहुति दी थी। हम सब मिलकर एक ऐसे भारत का निर्माण करें जो न्याय, समरसता, सेवा और स्वाभिमान पर आधारित हो। वही लाहिड़ी जी को सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

भारत गौरव ट्रेन से दक्षिण भारत की दिव्य यात्रा

भारत संवाद

रांची/पटना/नई दिल्ली बिलासपुर दक्षिण भारत के प्रमुख तीर्थ स्थलों पर भ्रमण करने के उद्देश्य से चर्चित भारत गौरव एक्सप्रेस चलने का फैसला लिया गया है जो बिहार और झारखंड सहित अनेक राज्यों के लोगों को दक्षिण भारत के प्रमुख तीर्थ स्थलों तक ले जाएगी। भागलपुर स्टेशन से इस भारत गौरव एक्सप्रेस की शुरूआत होगी और 12 दिवसीय यात्रा के तहत यात्रियों को तिरुपति, रामेश्वर, -मदुरई- , कन्याकुमारी और मल्लिकार्जुन के दर्शन करवायेगी । आईआरसीटीसी की इस विशेष पर्यटक ट्रेन के द्वारा भक्तों को दक्षिण भारत के कुछ सबसे प्रतिष्ठित मंदिरों और पवित्र स्थानों पर दिव्य उपस्थिति का अनुभव करने और आशीर्वाद प्राप्त करने का अवसर प्राप्त होगा। इस ट्रेन में भागलपुर, जसीडिह, मधुपुर, बराकर, धनबाद, बोकारो, मुरी, रांची, राउरकेला, झारसुगुडा, चाम्पा, बिलासपुर, रायपुर और दुर्ग सहित कई बोर्डिंग और डिबोर्डिंग पॉइंट शामिल हैं। इस भारत गौरव ट्रेन में स्लीपर क्लास (इकोनॉमी) की 640 सीटों की व्यवस्था की गई है जबकि तृतीय वातानुकूलित श्रेणी में 70 सीटें हैं। भारत गौरव यात्रा की टिकट लेने वाले यात्रियों को रेल यात्रा के साथ-साथ सड़क यात्रा, भोजन (चाय, नाश्ता, लंच, डिनर), डबल/ट्रिपल शेयरिंग के आधार पर आरामदायक और साफ आवास (इकोनॉमी के लिए नॉन-एसी; स्टैंडर्ड और कम्फर्ट क्लास के लिए एसी), बसों द्वारा स्थानांतरण और दर्शनीय स्थलों की यात्रा, ऑनबोर्ड टूर एस्कॉर्ट, हाउसकीपिंग, सुरक्षा और पैरामेडिकल स्टाफ की सुविधा उपलब्ध कराई जाती है। यह यात्रा आराम और सुरक्षा के साथ कई तीर्थों के दर्शन और आध्यात्मिक पूर्ति प्राप्त करने का एक अद्वितीय मौका प्रदान करती है - वो भी किफायती कीमत पर। बिहार झारखंड और छत्तीसगढ़ राज्यों के जो लोग इस यात्रा के भागीदार बनना चाहते हैं वह IRCTC के कोलकाता और रांची कार्यालय या अधिकृत एजेंटों) के माध्यम से भी बुकिंग कर सकते हैं।

अवैध गांजा सहित नशा तस्कर गिरफ्तार

भारत संवाद

सहारनपुर। थाना जनकपुरी पुलिस ने एक नशा तस्कर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 408 ग्राम गांजा बरामद किया है। जानकारी के अनुसार प्रभारी निरीक्षक थाना जनकपुरी संजीव कुमार के नेतृत्व में थाना जनकपुरी पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर वाहन चैकिंग के दौरान जमालपुर गांव से खुर्द को जाने वाले रास्ते से रजत पुत्र स्व.विनोद कुमार निवासी पुष्पाजंलि विहार थाना जनकपुरी को गिरफ्तार को गिरफ्तार कर लिया। बरामदगी के आधार पर अभियुक्त के विरूद्ध थाना जनकपुरी पर मु.अ.स. 148/25 दर्ज किया गया। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में एसआई विवेक वैद्यवान, मुख्य आरक्षी पोपिन कुमार, विकास कुमार शामिल रहे।

भामाशाह जयंती के अवसर पर राज्य सरकार द्वारा व्यापारियों का सम्मान स्वागत योग्यः शीतल टण्डन

भारत संवाद

सहारनपुर । प्रत्येक वर्ष 29 जून को मनाई जाने वाली दानवीर भामाशाह जयंती के दिन को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा पिछले वर्ष से व्यापारी कल्याण दिवस के रूप में मनाये जाने की श्रृंखला का उ.प्र.उद्योग व्यापार मंडल की जिला इकाई के पदाधिकारियों द्वारा व्यापक स्वागत किया गया।

स्थानीय रेलवे रोड पर आयोजित एक संक्षिप्त बैठक में जिलाध्यक्ष शीतल टण्डन ने कहा कि जिस प्रकार से प्रदेश से भामाशाह जयंती की पूर्व संध्या पर गत दिवस पूरे प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों पर तथा लखनऊ में मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में एक विशाल कार्यक्रम आयोजित कर राज्य कर विभाग के लिए जनपदों में सबसे अधिक धन संग्रह करने वाले व्यापारियों तथा लम्बे समय से व्यापारिक व सामाजिक कार्यों से जुड़े प्रमुख व्यापारियों को सम्मानित किया गया है। इसको लेकर प्रदेश के सभी व्यापारी प्रफुल्लित हैं। इसी कड़ी में गत दिवस देर सांय जिला प्रशासन, उ.प्र. शासन के संस्कृति विभाग व राज्य कर द्वारा स्थानीय कलेक्टेज्ट के नवीन सभागार में प्रमुख व्यापारियों को सम्मानित किया गया जिसके अंतर्गत

जिला व्यापार मण्डल के जिलाध्यक्ष शीतल टण्डन, जिला महामंत्री रमेश अरोड़ा, जिला कोषाध्यक्ष कर्नल संजय मिडढा व उपाध्यक्ष अशोक मलिक को व्यापार व सामाजिक क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवाओं के लिए पुष्प गुच्छ, अंगवस्त्र व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर नगर विधायक राजीव गुम्बर, महापौर डा.अजय सिंह, भाजपा नगराध्यक्ष शीतल विश्नोई, अपर जिलाधिकारी प्रशा. संतोष कुमार सिंह, राज्यकर विभाग के एडीशनल कमिश्नर ग्रेड-1 धीरेन्द्र प्रताप सिंह, ग्रेड-2 विजयानंद पाण्डेय व विभाग के उच्चाधिकारी, जिला सूचना अधिकारी दिलीप कुमार गुप्ता व बडी संख्या में व्यापार व उद्योग जगत से जुड़े व्यापारी व उद्यमी उपस्थित रहे। इस अवसर पर श्री टण्डन ने राज्य सरकार, राज्यकर विभाग व जिला प्रशासन के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजनों से विभाग व व्यापारियों के बीच में संवाद के साथ-साथ सकारात्मक विचारों का भी आदान-प्रदान होता है और राज्य सरकार द्वारा व्यापारियों को सम्मानित किया जाना पूरे व्यापार व उद्योग जगत के लिए हर्ष का विषय है। इस अवसर प्रांतीय संगठन मंत्री पवन कुमार गोयल, मेजर एस.के.सूरी, रमेश डावर, राजीव अग्रवाल, मुरली खन्ना, भोपाल सिंह सैनी, संजीव सचदेवा, संजय महेश्वरी, अभिषेक भाटिया आदि व्यापारी प्रतिनिधियों ने जिला व्यापार मण्डल के पदाधिकारियों को सम्मानित किये

फास्ट ट्रैक

युवक की संदिग्ध मौत पर ग्रामीणों का विरोध

नहर में मिला युवक का शव, परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप

सुलतानपुर, उदयपुर पुल के पास रामगंज रजबहा नहर में एक युवक का शव मिलने से क्षेत्र में तनाव का माहौल है। मृतक की पहचान बीसापुर गांव के 23 वर्षीय सुमित प्रजापति के रूप में हुई है। सुमित घर से लापता था। परिजनों ने प्रतापगंज चौकी में इसकी शिकायत दर्ज कराई थी। शनिवार शाम को नहर में उनका शव मिला। शव पर गंभीर चोट के निशान मिलने के बाद परिजनों ने हत्या का आरोप लगाया है। पोस्टमार्टम के बाद जब शव गांव पहुंचा, तो सैकड़ों ग्रामीण वहां एकत्र हो गए। परिजनों और ग्रामीणों ने पकड़ी के पास शव रखकर विरोध प्रदर्शन किया। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए देहात कोतवाली, शिवगढ़ और धम्मौर थाने की पुलिस मौके पर तैनात है। देहात कोतवाल अखंड देव मिश्रा के अनुसार, गोताखोर की रिपोर्ट, पुलिस की तहरीर और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर मामला दर्ज किया जाएगा। फिलहाल परिजनों की तरफ से कोई तहरीर नहीं मिली है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

वरिष्ठ नागरिकों का सम्मान

डॉ. सिंह बोले- बुजुर्ग नहीं, वरिष्ठ नागरिक कहें

सुल्तानपुर, लंभुआ नगर पंचायत के सर्वोदय नगर स्थित एक निजी मैरिज लॉन में कुटुंब प्रबोधन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वरिष्ठ नागरिकों का विशेष सम्मान किया गया। मुख्य अतिथि डॉ. जेपी सिंह ने कहा कि कुटुंब को परिवार की तरह समझना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में चंद्रमा को चंदा मामा और पृथ्वी को धरती माता माना जाता है। डॉ. सिंह ने बताया कि आज के बच्चों में संस्कार भरने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि बड़ी उम्र के लोगों को बुजुर्ग की जगह वरिष्ठ नागरिक कहना चाहिए, क्योंकि उनके पास विशेष अनुभव होता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व प्रधान देवी सिंह ने की। उन्होंने आयोजक पूर्व ब्लॉक प्रमुख प्रमोद सिंह का धन्यवाद किया। देवी सिंह ने बताया कि लंभुआ में पहली बार वरिष्ठ नागरिक सम्मान का कार्यक्रम हुआ है। उन्होंने कहा कि अब इस कार्यक्रम को जिले और प्रदेश स्तर तक ले जाया जाएगा।

पीएम मोदी की मन की बात का सामूहिक श्रवण

दुल्हापुर शक्ति केंद्र पर भाजपा कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों ने सुना कार्यक्रम

सुलतानपुर, लंभुआ विधानसभा क्षेत्र स्थित दुल्हापुर शक्ति केंद्र पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन हुआ। भाजपा नेता विकास वर्मा की अध्यक्षता में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' का सामूहिक श्रवण किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण और भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में देश में चल रहे विकास कार्यों पर चर्चा की। उन्होंने युवाओं की उपलब्धियों और समाज में हो रहे सकारात्मक बदलावों का जिक्र किया। कार्यक्रम में कई प्रमुख लोग उपस्थित थे। इनमें प्रधान संघ अध्यक्ष कैलाश चंद दुबे, मंडल उपाध्यक्ष राम कृपाल वर्मा और सेक्टर संयोजक विनीत सिंह शामिल थे। बूथ अध्यक्ष दिनेश सिंह, पूर्व मंडल मंत्री राम तिलक दूबे और बूथ अध्यक्ष अनूप सिंह भी मौजूद रहे। सभी उपस्थित लोगों ने प्रधानमंत्री के संदेश को प्रेरक बताया। उन्होंने इस संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के समापन पर कार्यकर्ताओं ने संगठन को मजबूत करने के विषय पर भी विचार-विमर्श किया।

अवैध निर्माण पर प्रशासन मौन

एसडीएम के रोक आदेश के बाद भी पुलिस संरक्षण में जारी है निर्माण कार्य

सुलतानपुर, जयसिंहपुर तहसील क्षेत्र के हयातनगर गांव में प्रशासनिक आदेशों की अवहेलना सामने आई है। गांव निवासी जगन्नाथ पाल ने उपजिलाधिकारी को बताया कि गाटा संख्या 934/0.123 हेक्टेयर नवीन परती भूमि पर राम नयन पाल अवैध रूप से बाउंड्रीवाल का निर्माण कर रहे हैं। उपजिलाधिकारी ने राजस्व निरीक्षक और लेखपाल को अतिक्रमण रोकने के निर्देश दिए। लेकिन आरोप है कि पुलिस और लेखपाल की मिलीभगत से निर्माण कार्य जारी है। शिकायतकर्ता के अनुसार, जब वे निर्माण रोकने गए तो राम नयन पाल ने उन्हें थाने पर बुलवाकर मारने की धमकी दी।

नगर आयुक्त ने लिया एक्शन फील्ड में दौड़े अधिकारी,नगर निगम ने जारी की एडवाइजरी

जलभराव क्षेत्रों में अपर नगर आयुक्त ने निरीक्षण किया ,अपर नगर आयुक्त ने भी रात्रि में सीवर पम्पिंग स्टेशनों की जानी हकीकत

डोली शर्मा संवादाता महानगर / भारत संवाद

बारिश अधीनस्थों को मुस्तैद रहने की दी हिदायत,72 घण्टे एक्टिव रहे नगर निगम कंट्रोल रूम

अलीगढ़। मानसून की आहट होते ही महानगर के कई एरिया में जलभराव की समस्याओं पर देर रात अलीगढ़ लौटे नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने तत्काल एक्शन लेते हुए अधीनस्थों को फील्ड में मौजूद रहकर जल निकासी कराने के निर्देश दिए।वहीं नगर आयुक्त ने भारी बारिश की संभावना को देखते हुए अधीनस्थों के मुख्यालय छोड़ने पर भी पाबंदी लगा दी है।अगले 24 घंटे बारिश को देखते हुए नगर आयुक्त ने अलीगढ़ स्मार्ट सिटी लिमिटेड और नगर निगम अलीगढ़ को अलर्ट करते हुए अधीनस्थों के लिए एडवाइजरी जारी की है।नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने निमार्णाधीन स्थानों पर खोदे गए गड्ढों को बंद करने, एकसार करने सीएम ग्रिड के निमार्णाधीन स्थल के पास बैरिकेट्स सेफ्टी बैरियर व साइन बोर्ड लगाए जाने के साथ साथ निमार्णाधीन स्थलों पर पब्लिक को अवेयर करने सुरक्षा संबंधी बोर्ड लगाने के निर्देश दिए और नगर निगम के अधिकारियों को अलर्ट जारी करते हुए सभी एसएफआई, कलस्टर प्रभारी सहित जोनल अधिकारी को अपने अपने आवंटित वार्ड व सर्किल में तैनात रहने और मोबाइल नंबर एक्टिव रखने, नगर निगम कंट्रोल रूम 05712750250,7500441344 को अगले 72 घण्टे लगातार एक्टिव रखने व मुख्यालय से बिना अनुमति बाहर न जाने के निर्देश दिए है।नगर आयुक्त ने नगर निगम के गांधी पार्क शेल्टर होम को राहत शिविर के रूप में परिवर्तित करने जर्जर एवं गिरासू भवन स्वामियों को नोटिस के माध्यम से अन्य सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट होने, नाला कटान होने पर आवश्यक बालू बदरपुर

के कट्टे भरवा के रखने के लिए भी एडवाइजरी जारी की है।नगर आयुक्त ने महाप्रबंधक जल पीके सिंह,मुख्य अभियंता सुरेश चंद व नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.मुकेश कुमार को जलभराव वाले स्थल,पम्पिंग स्टेशन का निरीक्षण कर वहां पर अतिरिक्त पंप सेट लगाने के साथ-साथ नालों व उन पर लगी जालियों की सफाई के लिए अतिरिक्त कर्मचारियों को तैनात करने की हिदायत दी।नगर आयुक्त के निर्देश पर अपर नगर आयुक्त राकेश कुमार यादव ने जल भराव वाले पॉइंट रामघाट रोड,किशन पुर,सुदामा पुरी, गुरुद्वारा रोड,छर्रा अड्डा पम्पिंग स्टेशन, गूलर रोड,शाहजमाल पम्पिंग स्टेशन,मैरिस रोड,सराय रहमान पम्पिंग स्टेशन का निरीक्षण किया।निरीक्षण में नगर निगम के सभी पम्पिंग स्टेशन पूरी क्षमता से चलते हुए मिले छर्रा अड्डा,सराय रहमान और शाहजमाल में विद्युत आपूर्ति बाधित होने पर भी जनरेटर से पंप चलते हुए मिले अपर नगर आयुक्त ने मौके पर पंप ऑपरेटर को सभी पंप सेट को जनरेटर से नियमित चलाने के लिए कहा।अपर नगर आयुक्त राकेश कुमार यादव ने कहा कि कई एरिया में जल भराव व लोगो के रहने की परेशानी को देखते हुए नगर निगम के गांधी पार्क शेल्टर होम को राहत शिविर में तब्दील किया गया है लोग व विश्राम कर सकते है साथ ही साथ भारी बारिश के अलर्ट को देखते हुए अधीनस्थों को सभी सीवर पम्पिंग स्टेशनों की निगरानी रखने व पंप सेट को पूरी क्षमता के साथ चलने के लिए निर्देश दिए गए हैं।

बरसात का कहर 22 घर ढहे

भारत संवाद

बेहट (सहारनपुर)। शाहजहांपुर क्षेत्र के गांव चाण्डीघेर में बीती रात लगभग 10 बजे भारी बारिश के चलते करीब 22 कच्चे मकान धराशायी हो गए, जिससे दर्जनों परिवार बेघर हो गए। सूचना मिलते ही रात्रि में ही सामाजिक कार्यकर्ता रोहित सिंह राणा मौके पर पहुंचे और पीड़ित परिवारों से मिलकर उनका दुख साझा किया। रोहित राणा ने बताया कि विधानसभा बेहट क्षेत्र के अधिकांश हिस्सों में आज भी हजारों लोग बिना पक्की नींव और सुरक्षा वाले कच्चे मकानों में जीवन यापन कर रहे हैं। हर साल मौसम की मार इन परिवारों को तोड़ देती है, लेकिन प्रशासन और नेताओं की ओर से कोई स्थायी समाधान नहीं दिया जाता।उन्होंने कहा, ष्हर साल विधायक, सांसद केवल झूठे वादे करने आते हैं और फिर इन गांवों की सुध नहीं ली जाती। शाहजहांपुर और चाण्डीघेर जैसे गांवों की यह स्थिति हमें सोचने पर मजबूर करती है कि विकास की रफ्तार आखिर किन

तक पहुँच रही है ?ष्रोहित राणा ने कहा कि हर नागरिक को सुरक्षित घर देना सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी नहीं होनी चाहिए राणा ने कहा कि वे जल्द ही जिलाधिकारी से भेंट कर पीड़ितों को अधिकतम मदद दिलाने का प्रयास करेंगे। रोहित राणा ने ग्रामीणों की ओर से प्रशासन से स्थायी पुनर्वास योजना की मांग की है ताकि आने वाले समय में

पूर्व एमएलसी की सम्पत्तियों पर अवैध कब्जा करने वालों के खिलाफ कार्यवाही की मांग

भारत संवाद

सहारनपुर। बसपा के पूर्व एमएलसी हाजी इकबाल की बेशकीमती संपत्तियों पर अवैध कब्जे के मामले थम नहीं रहे है। पूर्व एमएलसी की पत्नी फरीदा ने पूर्व विधायक के बेटे पर दर्जन भर लोगों को साथ लेकर तीन करोड़ की जमीनों पर कब्जे का आरोप लगाया है। साथ ही सीएम योगी आदित्यनाथ से कार्रवाई के जमीन कब्जा मुक्त कराकर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।मुख्यमंत्री को भेजे पत्र में फरीदा बेगम ने कहा है कि गत 27 जून को तथाकथित भूमाफियाओं के साथ लगभग 20 हथियारबंद लोग तीन गाड़ियों में ग्राम मिजार्पुर स्थित उसके बाग में जबरन घुस आए। जब उसके मुंशी ने उन्हें रोका तो उन्होंने उसकी कनपटी पर रिवॉल्वर तान दी और उसके साथ मारपीट की। उपद्रवियों द्वारा हवाई फायरिंग भी की गई। गोली की आवाज सुनकर ग्रामीण एकत्र हुए, तब जाकर वे लोग वहां से भागे। इससे पूर्व भी इनके द्वारा शाहपुर गाड़ा, इंदरपुर तालड़ा आदि स्थानों की भूमि पर अवैध कब्जा कर उन्हें बेच दिया गया है। इस संदर्भ में भी अनेकों बार प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किए गए, परंतु अब तक कोई कार्यवाही नहीं हुई। उक्त के अतिरिक्त हसन गैंग द्वारा चुटी फार्म व एहसान फार्म पर भी जबरन कब्जा कर रखा गया है। फारूक ने शाहपुर गाड़ा में 50 बीघा भूमि पर अवैध कब्जा किया हुआ है। भूमाफियाओं द्वारा मायापुर, रूपपुर, फैजाबाद, फतेहपुर, टांडा, सफीपुर आदि क्षेत्रों की भूमि पर भी कब्जा कर कूट रचित दस्तावेजों से बिक्री की जा रही है। उन्होंने आरोप लगाए हैं कि उसके परिवार पर गत तीन वर्षों से हसन गैंग और अन्य भूमाफिया फारूक पुत्र मेहंदी, हसन, हुसैन, शाहनवाज, हिदायत पुत्र मोहम्मद आरिफ द्वारा एक सुनियोजित षड्यंत्र के तहत झूठे मुकदमों में फँसाकर स्थानीय पुलिस की मिलीभगत से जेल भेजा गया था। इस षड्यंत्र का उद्देश्य प्रार्थिनी के परिवार की कीमती भूमि और बागबगिचों पर अवैध रूप से कब्जा कर उन्हें बेचना है। उसने यह भी बताया कि इन लोगों द्वारा लगातार उसकी भूमि से संबंधित दस्तावेजों को कूट रचित कर उनकी अवैध बिक्री लगातार की जा रही है।

मजालिस मे वारिदे करबला व तौहिद पर रोशनी डाली गयी

भारत संवाद

सहारनपुर। मौहर्रम की दो तारीख रात्रि में नगर के विभिन्न इमामबाड़ो मे हुई मजालिस मे मुस्लिम धार्मिक विद्वानो ने वारिदे करबला (करबला मे प्रवेश) व तौहिद (परवर दिगारे आलम का कोई शरीक नही है वह अकेला ही कुदरत रखता है) पर रोशनी डाली।

मजालिस मे सब से पहले मरसिए खानी की गयी मरसिया पढने वालो मे आसिफ अल्वी, सलीस हैदर काजमी, हमजा जैदी सलीम आब्दी, खुवाजा रईस अब्बास आदि रहे।

पहली मजलिस इमामबाड़ा सामानियान मौहल्ला कायस्थान सहारनपुर में हुई जिसको हुज्जत-उल इस्लाम आली जनाब मौलाना डाक्टर सैय्यद फतेह मुहम्मद

जैदी साहब ने खिताब फरमाया। दूसरी मजलिस बडा इमामबाड़ा जाफर नवाज में हुई जिसको हुज्जत-उल इस्लाम आली जनाब मौलाना मिर्जा जावेद साहब ने खिताब फरमाया। तीसरी मजलिस छोटा इमामबाड़ा अन्सारियान में हुई जिसको हुज्जत-उल इस्लाम आली जनाब मौलाना सैय्यद मीसम नकवी साहब ने खिताब फरमाया।मजालिस मे ब्यान किया गया कि जब हजरत इमाम हुसैन अलैहिस्सलाम का काफला करबला के रास्ते मे ही था तब यजीद के गर्वनर इबने जियाद ने अपने सिपेहसालार हुर्र को हजरत इमाम हुसैन अलैहिस्सलाम व काफिले को बन्दी बना कर करबला लाने को भेजा हुर्र का लश्कर हजरत इमाम हुसैन अलैहिस्सलाम को तलाशता हुआ हजरत इमाम हुसैन अलैहिस्सलाम के काफिले तक पहुचा तो हुर्र का लश्कर प्यास से बे हाल हो चुका था हजरत इमाम हुसैन अलैहिस्सलाम ने हुर्र के लश्कर की हालत देखते हुए अपने साथियो से कहा कि तुम हुर्र के लश्कर को पानी से सैराब करो और हुर्र के लश्कर को पानी पिलाया गया जो हुर्र के साथ घोडे थे उन्हे भी पानी से सैराब किया गया। हजरत इमाम हुसैन अलैहिस्सलाम ने अपने लश्कर का सारा पानी हुर्र के लश्कर को पिला दिया पानी पीने के बाद हुर्र ने हजरत इमाम हुसैन अलैहिस्सलाम व उनके लश्कर को बन्दी बनाकर मैदाने करबला ले आया था। उसके बाद जब यजीद ने हजरत इमाम हुसैन अलैहिस्सलाम के लश्कर का पानी बन्द कर दिया और बच्चे प्यास से तडपने लगे तब हुर्र को शर्मिन्दा होना पडा और अपनी खता मानते हुए हजरत इमाम हुसैन अलैहिस्सलाम के पास अपने भाई, बेटे के साथ आया और हजरत इमाम हुसैन अलैहिस्सलाम से अपनी खता को मानते हुए माफी मागी तब हजरत इमाम हुसैन अलैहिस्सलाम ने जनाबे हुर्र को माफ कर दिया उसके बाद हजरत हुर ने हजरत इमाम हुसैन अलैहिस्सलाम की तरफ से यजीद के खिलाफ जंग लडी और करबला मे सब से पहले शहीद हुए। मजलिस मे बताया कि हक की बात कहने से कभी डरना नही चाहिए हक बातिल को पिछाडता है हक पर रहने वालो की तादाद कितनी भी कम क्यो न हो बातिल को हमेशा हारना ही पडता है।

स्वतंत्रदेव सिंह | पर्यटन/धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व को बढ़ायेगा विन्ध्यधाम तीर्थ विकास परिषद

विंध्याचल में 2372.99 लाख की लागत से बनेगा उ0प्र0 विंध्यधाम तीर्थ विकास परिषद कार्यालय, जल संसाधन मंत्री व जन प्रतिनिधियों ने भूमि पूजन कर किया शिलान्यास

भारत संवाद

मीरजापुर,विंध्याचल क्षेत्र के ग्राम पंचायत परसिया विंध्याचल में उत्तर प्रदेश विंध्यधाम तीर्थ विकास परिषद के शासकीय कार्यालय भवन का प्रदेश के मा0 मंत्री, सिंचाई एवं जल संसाधन, बाढ़ नियंत्रण, परती भूमि विकास, लघु सिंचाई, नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग श्री स्वतंत्रदेव सिंह ने भूमि पूजन कर शिलान्यास किया। इस अवसर पर मा0 विधायक नगर श्री रत्नाकर मिश्र, मा0 विधायक मड़िहान श्री रमाशंकर सिंह पटेल, मा0 विधायक छानबे रिंकी कोल, जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन व अध्यक्ष, नगर पालिका परिषद श्री श्याम सुंदर केशरी अन्य सम्बंधित विभाग के

अधिकारी उपस्थित रहे। जिलाधिकारी ने मा0 मंत्री जी को जानकारी देते हुए बताया कि उत्तर प्रदेश विंध्यधाम तीर्थ विकास परिषद कार्यालय भवन 2372.99 लाख रुपये की लागत से 855 वर्ग मीटर क्षेत्रफल में बनाया जाएगा। निर्माण कार्य उत्तर प्रदेश प्रोजेक्ट कॉरपोरेशन लिमिटेड की निर्माण इकाई-16, मीरजापुर द्वारा कराया जाएगा। परियोजना के लिए 850 लाख रुपये की धनराशि पहले ही अवमुक्त की जा चुकी है। इस परियोजना में विंध्यधाम तीर्थ विकास परिषद के कार्यालय भवन के साथ-साथ तृतीय तल, बाउंड्रीवाल, गार्ड रूम, गेट, हार्टिकल्चर, और बाह्य विकास कार्य शामिल हैं। यह परियोजना क्षेत्र के धार्मिक और प्रशासनिक महत्व को और सशक्त करेगी, साथ ही स्थानीय विकास को गति प्रदान करेगी।

उ.प्र. वालीबाल संघ की बैठक आयोजित

भारत संवाद

सहारनपुर। उत्तर प्रदेश वालीबाल संघ की आम सभा की बैठक में आयोजित हुए चुनाव में सहारनपुर के डॉ संदीप गुप्ता को संयुक्त सचिव निर्वाचित किया गया स डॉ संदीप गुप्ता ने बताया की केडी सिंह बाबू स्टेडियम (लखनऊ) के सभागार में आयोजित हुई उत्तर प्रदेश वालीबाल संघ की आम सभा की बैठक में चुनाव आयोजित हुए स जिसमे चुनाव अधिकारी आर.पी सिंह ने सभी पदाधिकारीयों के नाम का ऐलान किया। जिसमे रिटायर्ड जज हाई कोर्ट

रविंद्र सिंह को अध्यक्ष, अमरेश सिंह भदोरिया महासचिव, विधायक राकेश प्रताप सिंह तथा रामेश्वर दत्त ओझा उपाध्यक्ष, अरविंद शुक्ला कोषाध्यक्ष, डॉ संदीप गुप्ता व सुभाष यादव संयुक्त सचिव निर्वाचित किए गए।

भारत संवाद परिवार 1-संरक्षक-भारत संवाद डॉ राम किशोर शर्मा पूर्व विभागाध्यक्ष इलाहाबाद विश्व विद्यालय कबीर सम्मान 2021 से सम्मानित, 2-संरक्षक-भारत संवाद, आचार्य पं0 पृथ्वीनाथ पाण्डेय भाषाविज्ञानी एंव मीडियाध्ययन विशेषज्ञ, 3-संरक्षक-भारत संवाद गजानन महतपुरकर, (सुपरिचित कवि, लेखक, गीतकार, मंच संचालक, स्वतंत्र पत्रकार एवं सदस्य, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी तथा पश्चिम रेलवे, चर्चगेट के वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी पद से सेवानिवृत्त), 4-कला एवं मनोरंजन संपादक (भारत संवाद), जगन्नाथ तिवारी, 5-उपसंपादक (भारत संवाद), माता प्रसाद शर्मा, 6-प्रभारी प्रयागराज संस्करण आशीष कुमार शर्मा

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक अरविन्द कुमार शर्मा द्वारा रमा प्रिंटिंग प्रेस 53/25/1-ए बेली रोड नया कटरा इलाहाबाद से मुद्रित एंव ज्ञान गंगा कालोनी सराय तकी झूंसी प्रयागराज से प्रकाशित।
संपादक- अरविन्द कुमार शर्मा ।फोन नं०.05324012522 मो०-9455137214,9935750291,E mail-bharatsamvad2009@gmail.com RNI No-UPHIN/2009/30939
(किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र इलाहाबाद उच्च न्यायालय होगा)।

चने की

वैज्ञानिक तकनिकी से खेती

1शीशपाल चौधरी, डॉ.बीएलदुधवाल एवं महेन्द्र चौधरी व विद्यावाचस्पति शोध छात्र, शस्य विज्ञान विभाग, श्री कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर - 303329 सहायक आचार्य, शस्य विज्ञान विभाग, श्री कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर- 303329

चने की खेती अधिकतर बारानी क्षेत्रो में की जाती हैं। इसकी खेती हल्की व भारी दोनो प्रकार की भूमि में की जा सकती हैं। पेटा काश्त भूमि में चना उगाना अन्य फसलो की अपेक्षा अधिक लाभप्रद रहता हैं। मध्यम व भारी मिट्टी के खतों में गर्मी के दिनो में एक दो जुताई करनी चाहिये। वर्षा प्रारम्भ होते ही डोलो की अच्छे से मरम्मत करनी चाहिये जिससे वर्षा का पानी अधिक से अधिक खेत में समान रूप से समा सके। जहां खेत में खरपतवार हो वाहॅ दो बार जुताई करना लाभकारी होता हैं। चने के दानों में 21 प्रतिशत प्रोटीन होता हैं तथा इसकी पत्तियों में मेलिक व ऑक्जेलिक अम्ल होता हैं। चने की हरी पत्तियो और दानो का प्रयोग सब्जियों के रूप में किया जाता हैं।

वर्गीकरण: साइसर वंश की दो जातियॉ

साइसर ऐरेटिनम- यह देशी चना कहलाता हैं। इसके पौधे छोटे होते है इसमें गुणसूत्रो की सख्या 2दत्र14 होती हैं।

साइसर काबुलियम- यह काबुली चना कहलाता हैं। इसके दाने सफेद व बडे होते हैं। इसके पौधे बडे व सीधे होते हैं। इसमें गुणसुत्रो की सख्या 2दत्र16 होती हैं।

खेत की तैयारी: चना ढेलों वाली दशा में अच्छा होता हैं क्योकि ढेलों वाली अवस्ता पर भूमि में वायु संचार अच्छा रहता हैं। बारानी क्षेत्रों में मानसून पूर्व एक गहरी जुताई करना आवश्यक होता हैं। जिससे वर्षा का जल खेत में अवशोषित हो सके।

बुवाई का समय: चने की बुवाई का सही समय 15 अक्टूबर से 15 नवम्बर हैं एवं पिछैती बुवाई 15 नवम्बर से 15 दिसम्बर तक कर सकते हैं।

बीज की मात्रा एवं बुवाई: चने की बुवाई हेतु 70-80 किग्रा. उपचारित बीज प्रति हैक्टर के लिए पर्याप्त है। काबुली चने की बीज दर 80-90 किग्रा.प्रति हेक्टर रखे। चने की बुवाई 30 सेमी.दूर कतारों में करनी चाहिए। सिंचित क्षेत्रों में बीज की गहराई 5-7 सेमी.व असिंचित क्षेत्रो में नमी अनुसार 7-10 सेमी.गहराई पर करनी चाहिए।

उन्नत किस्में:

आएस.जी.895: असिंचित एवं सिंचित क्षेत्रों हेतु चने की प्रथम सफेद फूल एवं फलियां साथ लगने वाली प्रजाति हैं फसल 130-135 दिनो में पककर तैयार हो जाती हैं। इसमें सुत्रकृमि प्रतिरोधी क्षमता होती हैं। इसके 100 दानों का वनज 18-20 ग्राम होता हैं।

आएसजी.973 ;आभाद्ध: चने की अधिक शुष्क सहन क्षमता की बारानी क्षेत्रों हेतु विकसित प्रजाति मध्यम उंचाई के अर्ध उरध्व्र पौधे जिनकी तनो पर फलिया कम दूरी पर अधिक संख्या में लगती हैं इसके पकने की अवधि 125 से 130 दिन हैं। असिंचित क्षेत्रो में 15 से 20 किवंटल प्रति हैक्टर उपज देती हैं। फली छेदक कीटों के प्रकोप से अपेक्षाकृत कम प्रभावित होती हैं तथा 100 दानों का वनज 18-20 ग्राम होता हैं।

सी.235: यह किस्म 140-160 दिन में पककर 15 से 20 किवंटल प्रति हैक्टर उपज देती हैं। इसके दाने मध्यम व कत्थई रंग के होते हैं। पौधा मध्यम उॅचाई व झाडीनुमा वृद्धि वाला होता हैं।

प्रगति: यह किस्म 140-150 दिन में पककर 1 8

पेटा काश्त भूमि में चना उगाना अन्य फसलो की अपेक्षा अधिक लाभप्रद रहता हैं। मध्यम व भारी मिट्टी के खतों में गर्मी के दिनो में एक दो जुताई करनी चाहिये। वर्षा प्रारम्भ होते ही डोलो की अच्छे से मरम्मत करनी चाहिये जिससे वर्षा का पानी अधिक से अधिक खेत में समान रूप से समा सके। जहां खेत में खरपतवार हो वाहॅ दो बार जुताई करना लाभकारी होता हैं।

क्विंटल प्रति हैक्टर पैदावार देती हैं।

आरएसजी. 2: यह किस्म अगेती बुवाई व असिंचित क्षेत्रों के लिए उपयुक्त हैं। यह 130-135 दिनो में पककर 9-12 क्विंटल प्रति हैक्टर पैदावार देती हैं।

आरएसजी.888: यह किस्म 147 दिन में पककर तैयार हो जाती हैं तथा इसकी पैदावार 11-34 क्विंटल प्रति हैक्टर हैं। यह किस्म विल्ट के प्रति मध्यम प्रतिरोधी है।

बीजी.209: इस किस्म के पैधे अर्द्व विस्तारी, पत्तिया संकरी, हरे रंग की है। 100 दानो का वजन 12 ग्राम एवं विल्ट रोग के प्रति सहनसिल व सूखा रोधी है।

अर्पण:
चने की क्षारीय भूमी हेतु विकसित प्रथम प्रादेशिक प्रजाति अर्पण के पौधे मध्यम उंचाई के अर्ध सीधे जिनकी शाखओं पर क्रमशः दो पक्तियां लगती है। फसल 125- 130 दिनों में पककर तैयार हो जाती है। उपज 15-20 क्विंटल प्रति हैक्टयर है। उक्ठा, जड गलन रोग प्रतिरोधी एवं फली छेदक कीटों से अपेक्षाकृत कम प्रभावित होती है।

खाद एवं उर्वरक: मृदा परीक्षण के आधार पर उर्वरक प्रयोग करना चाहिए । असिंचित क्षेत्र में बुवाई पूर्व 10 किग्रा. नाइट्रोजन एवं 25 किग्रा. फॉस्फेट प्रति हैक्टर उर कर देवें। सिंचित क्षेत्र में बुवाई पूर्व 20 किग्रा.नाइट्रोजन तथ 40 किग्रा. फॉस्फेट प्रति हैक्टर की दर से उर कर देना चाहिये।

सिंचाई: चने की खेती अधिकांश क्षेत्रों में बारानी अवस्थाओ में की जाती है। सिंचित खेत्रों में मृदा व वर्षा को ध्यान में रखते हुए पहली सिंचाई बुवाई के 40-45 दिन बाद फूल आने के पहले तथा दूसरी सिंचाई फली आने पर करनी चाहिए।

निडाई-गुडाई एवं खरपतवार नियंत्रणः चने की फसल में खरपतवार नियंत्रण हेतु प्रथम निडाई-गुडाई बुवाई के 25-35 दिनो पर करें। पैण्डीमिथिलीन 30 ईसी. 600 ग्राम खरपतवारनाशी को 600 लीटर पानी प्रति हैक्टर की दर से बुवाई के बाद तथा बीज उगने से पूर्व एक समान छिडकाव करना चाहिये।

पौधे की चुटाई: चने के पौधे जब 20 सेमी.उॅचे हो जाये तो उनकी शीर्ष शाखाऍ अधिक निकलती है तथा फूल व फल अधिक लगते हे। इससे पैदावार में वृद्वि होती है।

फसल संरक्षण:

फली छेदक: फली छेदक की सुण्डियॉ प्रारम्भ में पौधो की पत्तियॉ खाती है और फलियॉ लगने पर उनमें छेद कर दाना खा जाती है। इनकी रोकथाम के लिए निम्न उपाय करें -

1. नीम की पत्ती के रस या निम्बोली के 10 प्रतिशत घोल का 20, 40, फूल आने व 60 दिन पर छिडकाव करें। या

2. एनपीव्री. 250 एलई. का 750 मिली. प्रति हैक्टर छिडकाव करें। या

3. 20 दिन की फसल पर मेलाथियान 5 प्रतिशत चूर्ण 20-25 किग्रा.प्रति हैक्टयर भुरकाव करें।

कटवर्म, दीमक एवं वायरवर्म: इन कीटों की रोकथाम हेतु क्यूनालफॉस 15 प्रति चूर्ण 25 किलोग्राम हैक्टर की दर से आखिरी जुताई से पूर्व भुरकें।

झुलसा रोग: झुलसा रोग के लक्षण दिखाई देते ही 02 प्रतिशत मैन्कोजेब या 03 प्रतिशत कॉपर ऑक्सीक्लोराइड के घोल का छिडकाव करना चाहिए। आवश्कतानुसार छिडकाव 10 दिन के अन्तराल पर दोहरायें।

उखटा रोग: इस रोग के कारण खेत में पर्याप्त नमी होने के बावजूद पौधे की पत्तियॉ एकाएक पीली पडने लगती हैं तथा बाद में पूरा पौधा सूख जाता है। इस रोग की रोकथाम हेतु उचित फसल चक्र अपनाये तथा रोग रोधी किस्में काम में ले।

उपज: असिंचित क्षेत्रो में 8-12 क्विंटल व सिंचित क्षेत्रो में 15-20 क्विंटल उपज प्रति हैक्टयर प्राप्त की जा सकती है।

भण्डारण: भण्डारण पूर्व चने के दानो को धूप मे सूखा लेते है जिससे दानों मे नमी 10-12 प्रतिशत तक आ जाये । भण्डारण में कीट रोकथाम हेतु उचित कीटनाशी का प्रयोग करें।

मसूर की उन्नत खेती

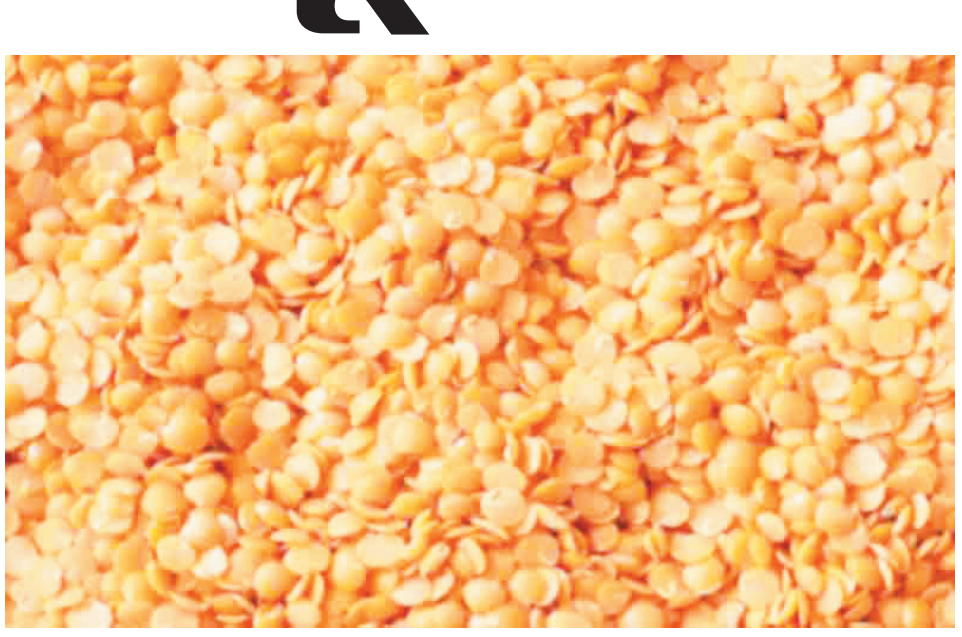

शीशपाल चौधरी, महेन्द्र चौधरी एवं बाबू लाल विद्यावाचस्पति शोध छात्र, शस्य विज्ञान विभाग, श्री कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर

खेत का चुनाव एवं तैयारी:- मसूर की खेती सभी प्रकार की मिट्टी में की जा सकती हैं। लेकिन दोमट मिट्टी इसके लिए सबसे उत्तम मानी जाती हैं। खेत को 2-3 बार देशी हल अथवा कल्टीवेटर से जुताई कर मिट्टी को भूरभूरी बना देते हैं।

उन्नत किस्मे

पंत के 639:- यह किस्म 135-140 दिन में तैयार हो जाती हैं। जड सडन एवं उकटा रोग के लिए प्रतिरोधी मानी जाती हैं।

पीएल 406:- यह किस्म 140-145 दिन में तैयार हो जाती हैं। इसमें रस्ट एवं विल्ट रोग लडने की क्षमता हैं।

पीएल 77-12:- यह किस्म 115-120 दिन में परिपक्व हो जाती हैं। इसमें रस्ट एवं उकटा रोग से लडने की क्षमता हैं।

मल्लिक:- यह प्रजाती 130-135 दिन में तैयार हो जाती हैं। उकठा रोग के लिए यह प्रतिरोधी हैं।

केएलएस 218:- यह किस्म 120-150 दिन में तेयार हो जाती हैं।

बुवाई का उचित समय:-मसूर की उन्नत किस्मो की बुवाई 15 अक्टूबर से 25 नवम्बर तक कर देनी चाहिए।

बीज की मात्रा एवं बुवाई की विधि:-छोटे दानो वाली किस्मो के लिए एक हेक्टर क्षेत्रफल में बुवाई कें लिए 35-40 किलोग्राम बीज की जरूरत पडती हैं। जबकि बडे दानो वाली किस्मो के लिए 50-55 किलोग्राम बीज कि आवश्यकता होती हैं। बुवाई के समय किस्मो के आधार पर कतार से कतार एवं पौधे से पौधे की दूरी क्रमशः 25 सेमी.एवं 10 सेमी.रखनी चाहिए।

बीजोपचार:-प्रारम्भिक अवस्था के रोगों बचाने के लिए बुवाई से पहले मसूर के बीजो को सही उपचार करना जरूरी होता हैं। इसके लिए ट्राइकोडर्मा विरीडी 5 ग्राम प्रति किलो बीज या कार्बेण्डाजिन 20 ग्राम प्रति किलो बीज की दर से उपचारित करना चाहिए । बीजोपचार में सबसे पहले कवकनाशी तत्पश्चात कीटनाशी एवं सबसे बाद में राइजोबियम कल्चर से उपचारित करने का क्रम अनिवार्य होता है । जिन क्षेत्रा में कटुआ का प्रकोप मसूर के खेत में बढ जाता हैं। यहॉ बीज को क्लोरोपाइरीफॉस 20 ईसी से 6-8 मिली प्रति किलोग्राम बीज उपचार करना चाहिए।

उर्वरको का प्रयोग:- मिट्टी परीक्षण के आधार पर ही उर्वरकों का प्रयोग आवश्यकतानुसार करना चाहिए। सामान्य परिस्थिति मे 20 किलोग्राम नत्रजन, 40 किलोग्राम फॉस्फोरस एवं 20 किलोग्राम गंधक प्रति हेक्टर उपयोग करना चाहिए। जिन क्षेत्रा में जिंक एवं बोरोन की कमी पाई जाती हैं। उन खेतो में 25-30 किलोग्राम जिंक सल्फेट एवं 10 किलोग्राम बोरेकस पाउडर प्रति हेक्टर की दर से बुवाइर के समय प्रयोग करना चाहिए।

सिंचाई:- जिन खेतो में नमी की कम पाई जाती है। वहा एक सिंचाई बुवाई के 45 दिन बाद लाभकारी होती हैं। पानी का जमाव नही होना चाहिए। इससे फसल प्रभावति हो जाती हैं।

खरपतवार नियंत्रण:- मसूर के खेत में प्रायः मोथा, दूब, बथुआ एवं बनगाजर आदि खरपतवार का प्रकोप ज्यादा होता हैं। इसके नियंत्रण के लिए 2 लीटर फलूक्लोरिन को 600-700 लीटर पानी में मिलाकर प्रति हेक्टर की दर से अंतिम जूताई के बाद छिटकर मिला दे अथवा पेण्डीमेथालीन 1 किलोग्राम को 1000 लीटर पानी में घोलकर बुवाई के 48 घंट के अन्दर छिडकाव करना चाहिए।

फसल सुरक्षा प्रबंधन:

रोग प्रबंधन:- मसूर के प्रमुख रोग उकठा, ब्लाइट एवं विल्ट है। इससे बचाने के लिए फसलों में मेंकोजेब 2 ग्राम प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिडकाव करें।

कीट प्रबंधन:- मसूर की फसल में कटवर्म, सूडी एवं एफिड कीटो का प्रकोप होता है। इन कीटो की रोकथाम के लिए बुवाई के 25-30 दिन बाद एजेडिरेक्टीन, नीम तेल 003 प्रतिशत प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिडकाव करना चाहिए।

आसिम मुनीर बोले- पाकिस्तान शांति बनाए रखने वाला जिम्मेदार देश

पाकिस्तानी आर्मी चीफ का आरोप- भारत ने दो बार बिना उकसावे के हमला किया

एजेंसी

इस्लामाबाद, पाकिस्तान के आर्मी चीफ आसिम मुनीर ने कहा है कि भारत ने बिना किसी उकसावे के दो बार हमला किया। आसिम मुनीर ने शनिवार को कराची में पाकिस्तान नौसेना एकेडमी में अपनी स्पीच में भारत पर जानबूझकर तनाव पैदा करने का आरोप लगाया। आसिम मुनीर ने कहा, 'पिछले कुछ सालों में भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ दो बार बिना उकसावे के हमला किया। पाकिस्तान ने दोनों बार संयम और परिपक्वता का परिचय दिया और क्षेत्रीय सुरक्षा के प्रति अपनी जवाबदेही दिखाकर खुद को शांति बनाए रखने वाले जिम्मेदार देश के रूप में साबित किया है।' मुनीर ने कश्मीर मुद्दे पर कहा, 'पाकिस्तान संयुक्त राष्ट्र के प्रस्तावों और कश्मीरी लोगों के संकल्प के मुताबिक कश्मीर मुद्दे का समाधान चाहता है।' पाक आर्मी चीफ ने कश्मीर में स्थायी शांति के लिए न्यायपूर्ण और शांतिपूर्ण समाधान की मांग की। मुनीर ने कहा था- कश्मीर इस्लामाबाद की गले की

नस जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को पाकिस्तान समर्थित आतंकी हमलों से कुछ दिन पहले, मुनीर ने कश्मीर को पाकिस्तान का हिस्सा बताते हुए भारतीय क्षेत्र को इस्लामाबाद की गले की नस बताया था। मुनीर ने विदेश में रह रहे पाकिस्तानी प्रवासियों को संबोधित करते हुए 17 अप्रैल को कहा था, 'कश्मीर हमारी गले की नस है, यह हमारी गले की नस रहेगी, हम इसे नहीं भूलेंगे।' मुनीर की इस टिप्पणी के एक हफ्ते बाद आतंकवादियों ने कश्मीर के पहलगाम में 26 पर्यटकों की हत्या कर दी। जवाब में, भारत ने 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर लॉन्च किया। इसमें भारतीय सेना ने पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) और पाकिस्तान में मौजूद 9 आतंकी ठिकानों पर एयरस्ट्राइक की थी। इसमें 100 आतंकी मारे गए थे। दोनों देशों के बीच 10 मई को सीजफायर पर सहमति बनी थी। ऑपरेशन सिंदूर में तबाह आतंकी कैंप्स फिर बना रहा पाकिस्तान पाकिस्तानी सेना और सरकार मिलकर भारत के ऑपरेशन सिंदूर में तबाह हुए आतंकी ठिकानों और ट्रेनिंग कैंप्स को फिर से बना रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पाकिस्तानी सेना की मदद से आतंकी संगठन अब लाइन ऑफ कंट्रोल (एलओसी) के पास घने जंगलों में छोटे और हाई-टेक ट्रेनिंग कैंप बना रहे हैं। इनका मकसद भारतीय सेना की निगरानी और हवाई हमलों से बचना है। ये कैंप्स लुनी, पुटवाल, ताइपु पोस्ट, जमीला पोस्ट, उमरनवाली, चप्रार, फॉरवर्ड कहुटा, छोटा चक और जंगलोरा जैसे इलाकों में बनाए जा रहे हैं। इनमें थर्मल इमेजर, जंगल में निगरानी करने वाले रडार और सैटेलाइट को चकमा देने वाली तकनीकों का इस्तेमाल हो रहा है। पाकिस्तान पीओके में फिर से 13 लॉन्चपैड डेवलप कर रहा है। इनमें केल, शारदी, दुधनियाल, अथमुकाम, जुरा, लीपा वैली, पचिबन चमन, तंदपानी, नैयाली, जानकोट, चकोटी, निकैल और फॉरवर्ड कहुटा शामिल हैं। इसके अलावा, जम्मू सेक्टर की इंटरनेशनल बॉर्डर पर मसरूर बड़ा भाई, चप्रार, लुनी और शकरगढ़ में चार लॉन्चपैड बना रहे हैं। भारत ने 22 अप्रैल को पहलगाम हमले के बाद 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर चलाकर पाकिस्तान और पीओके में मौजूद कई आतंकी ठिकानों को तबाह कर दिया था। मुनीर ने तबाह अड्डों को 11 दिन में ठीक करने को कहा था पाक आर्मी चीफ मुनीर ने एक हफ्ते पहले मरकज सुब्हान अल्लाह परिसर, बिलाल मस्जिद, उम्मुल कुर्रा, जामिया दावा इस्लामी मदरसा व भारतीय हमलों में तबाह हुए अन्य आतंकी ठिकानों को रिपेयर करने की डेडलाइन 31 जून तय की थी।

पाकिस्तान ने भारत पर सुसाइड बम अटैक का आरोप लगाया

इसमें 13 सैनिक मारे गए थे; भारतीय विदेश मंत्रालय ने आरोपों को खारिज किया

एजेंसी

इस्लामाबाद, पाकिस्तान ने खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के उत्तरी वजीरिस्तान जिले में सैन्य काफिले पर सुसाइड बम अटैक का आरोप भारत पर लगाया है। इसमें 13 सैनिकों की मौत हुई थी। भारत ने पाकिस्तान के आरोपों का खारिज कर दिया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक्स पर कहा, 'हमने पाकिस्तानी सेना का एक ऑफिशियल बयान देखा है, जिसमें 28 जून को वजीरिस्तान पर हुए हमले के लिए भारत को दोषी ठहराया गया है। हम इस बयान को पूरी अवमानना के साथ खारिज करते हैं, जो इसी के लायक है।' वजीरिस्तान में शनिवार को

एक आत्मघाती हमलावर ने विस्फोटकों से लदी गाड़ी सैन्य काफिले में घुसा दी थी। इसके बाद जोरदार धमाका हुआ। इसमें 13 पाकिस्तानी सैनिक मारे गए। जबकि 10 सैनिक और 19 नागरिक घायल हो गए। खैबर पख्तूनख्वा में तैनात एक पुलिस अधिकारी ने न्यूज एजेंसी एएफपी को बताया कि धमाका इतना जोरदार था कि दो घरों की छतें गिर गईं, जिससे छह बच्चे घायल हो गए। इस बम विस्फोट की जिम्मेदारी पाकिस्तान-तालिबान (टी.टी.पी) से जुड़े हाफिज गुल बहादुर ग्रुप ने ली थी। खैबर प्रांत को टी.टी.पी का गढ़ माना जाता है। तीन दिन पहले टी.टी.पी हमले में 2 आर्मी अफसरों की मौत आतंकी संगठन टी.टी.पी ने 24 जून को दक्षिणी वजीरिस्तान में पाकिस्तानी आर्मी पर हमला किया था, जिसमें 2 आर्मी अफसर मारे गए। इनमें से एक पाकिस्तानी कमांडर मोइज अब्बास भी था, जिसने भारतीय वायुसेना के विंग कमांडर अभिनंदन वर्धमान को पकड़ा था। बालाकोट में एयर स्ट्राइक के अगले दिन 27 फरवरी को पाकिस्तानी वायुसेना ने भारतीय सीमा में दाखिल होने की कोशिश की थी। जवाब में भारतीय वायुसेना ने ऑपरेशन चलाया था। तब विंग कमांडर अभिनंदन ने मिग-21 बाइसन फाइटर जेट से पाकिस्तान के एफ-16 फाइटर जेट को मार गिराया था। हालांकि उनका विमान पाकिस्तानी सीमा में गिर गया था। पाकिस्तानी आर्मी ने अभिनंदन को कैद कर लिया था। क्या है टी.टी.पी? साल 2002 में अमेरिकी सेना ने 9/11 आतंकी हमले का बदला लेने अफगानिस्तान में धावा बोला था। अफगानिस्तान में अमेरिकी कार्रवाई के डर से कई आतंकी पाकिस्तान के कबाइली इलाके में छिप गए।

रूस ने यूक्रेन का एफ-16 फाइटर जेट मार गिराया

पायलट की भी मौत; 7 रूसी मिसाइलें तबाह कीं, अगला टारगेट हिट करते वक्त सिस्टम खराब

एजेंसी

कीव / मॉस्को, रूस ने रविवार रात को यूक्रेन पर अब तक का सबसे बड़ा हवाई हमला किया। रूस ने 477 ड्रोन और 60 मिसाइलें दागीं। रूस ने एम/केएन-23 बैलिस्टिक मिसाइल, क्रूज मिसाइलों से हमला किया। हालांकि यूक्रेनी वायु सेना ने इनमें से 475 हमलों को रोक दिया। यूक्रेन की डिफेंस मिनिस्ट्री ने सोशल मीडिया पोस्ट कर यह जानकारी दी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस हमले के दौरान एक मिसाइल ने यूक्रेन के एफ-16 फाइटर जेट को मार गिराया। यूक्रेन ने बताया कि हमले में फाइटर जेट के पायलट मक्सिम उस्तीमेन्को की मौत हो गई। रूसी हमलों में रिहायशी इलाकों को नुकसान पहुंचा और 12 लोग घायल हो गए। यूक्रेनी वायु सेना ने कहा कि पायलट ने रूसी हमले के दौरान 7 मिसाइलों को मार गिराया, लेकिन आखिरी टारगेट हिट करते वक्त उनके विमान में दिक्कत आ गई। पायलट एफ-16 को आबादी वाले क्षेत्र से दूर ले गया, लेकिन वह समय पर विमान से बाहर नहीं निकल सका। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने रूस के हवाई हमले के बाद अमेरिका और पश्चिमी सहयोगियों से तत्काल मदद की अपील की है। जेलेंस्की ने एक्स पर लिखा, ह्लरूस ने घरों को निशाना बनाया। स्मिला में एक रिहायशी इमारत पर भी हमला हुआ, जिसमें एक बच्चा घायल हुआ।ह्व जेलेंस्की ने अमेरिका से पैट्रियट मिसाइल सिस्टम खरीदने की

मांग की है। हालांकि, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अभी तक यूक्रेन के लिए नई सैन्य मदद को मंजूरी नहीं दी है, लेकिन हाल ही में नाटो शिखर सम्मेलन में जेलेंस्की से मुलाकात के बाद उन्होंने इस अनुरोध पर विचार करने की बात कही थी। इससे पहले यूक्रेन ने 28 जून की सुबह रूस के कब्जे वाले क्रीमिया के किरोव्स्के एयरबेस पर हमला करने का दावा किया था। कीव इंडिपेंडेंट के मुताबिक इस हमले में रूस के हेलिकॉप्टर और एक पैंटसिर-एस1 एयर सेफ्टी सिस्टम तबाह हो गया। यूक्रेनी सुरक्षा सर्विस (एसबीयू) ने कहा कि यूक्रेन ने रूसी विमानों, हवाई रक्षा प्रणालियों, हथियारों और ड्रोन भंडार को निशाना बनाया। हालांकि रूस ने इसकी पुष्टि नहीं की है। ये हमले रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के 27 जून को दिए गए बयान के बाद हुए थे जिसमें उन्होंने कहा था कि मास्को इस्तांबुल में शांति वार्ता के नए दौर के लिए तैयार है। हालांकि युद्ध के थमने के कोई संकेत नहीं दिख रहे हैं क्योंकि बातचीत में अब तक कोई सफलता नहीं मिली है। इस्तांबुल में रूसी और यूक्रेनी प्रतिनिधिमंडलों के बीच हाल ही में हुई दो दौर की वार्ता असफल रही है और किसी समझौते पर पहुंचने में कोई प्रगति नहीं हुई। फरवरी 2022- रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के हमले का ऐलान करते ही यूक्रेन में रूसी टैंक धड़धड़ाते हुए घुसने लगे। तब के अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन बोले- पुतिन से बातचीत का कोई प्लान नहीं है। उन्होंने पूरी दुनिया को खतरे में डाल दिया है। रूस को यूक्रेन पर हमले की गंभीर कीमत चुकानी होगी। फरवरी 2025- अमेरिका के नए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने पुतिन से फोन पर 90 मिनट तक बात की। इसके बाद सऊदी अरब में यूक्रेन युद्ध को लेकर रूस और अमेरिकी के बीच हाई लेवल मीटिंग हुई। इसमें यूक्रेन को नहीं रखा गया। ट्रम्प ने पुतिन की तारीफ की और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की को तानाशाह कह दिया।

ईरान के पास एटम बम बनाने के लिए यूरेनियम मौजूद

यूएन एजेंसी बोली- न्यूक्लियर प्रोग्राम शुरू कर सकता है; अमेरिका बोला- परमाणु ठिकाना तबाह किया

एजेंसी

तेहरान, यूएन की इंटरनेशनल एटॉमिक एनर्जी एजेंसी (आईएईए) ने रविवार को कहा कि ईरान कुछ महीनों में अपना न्यूक्लियर प्रोग्राम फिर से शुरू कर सकता है। आईएईए डायरेक्टर राफेल ग्रॉसी ने एक न्यूज चैनल को दिए इंटरव्यू में कहा कि ईरान की कुछ न्यूक्लियर फैसिलिटी अभी भी बची हुई हैं। इजराइल ने 13 जून को ईरान के परमाणु और सैन्य ठिकानों पर हमले शुरू किए थे। बाद में अमेरिकी ने बी-2 बॉम्बर से हमला कर

ईरान के फोर्डो, नतांज और इस्फहान न्यूक्लियर साइट्स को तबाह करने का दावा किया था। हमलों के बाद ईरान ने आईएईए को फोर्डो न्यूक्लियर साइट की जांच करने से रोक दिया था। ईरान ने आईएईए से अपनी साझेदारी तोड़ ली है। ग्रॉसी ने कहा कि यह जानना जरूरी है कि न्यूक्लियर साइट्स पर क्या है और क्या हुआ था। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को चेतावनी दी है कि वे ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला खामेनेई के खिलाफ अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल बंद करें। अराघची ने सोशल मीडिया पर लिखा कि ट्रम्प का यह रवैया न सिर्फ खामेनेई का, बल्कि उनके लाखों समर्थकों का भी अपमान करता है। ट्रम्प अगर ईरान से कोई समझौता चाहते हैं तो उन्हें अपनी भाषा बदलनी होगी।

अराघची का यह बयान ट्रम्प के उस दावे के बाद आया, जिसमें अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा था कि उन्होंने खामेनेई को मरने से बचाया, नहीं तो उनकी बहुत बुरी मौत होती। अराघची ने इजराइल पर भी तंज किया। उन्होंने कहा कि जब ईरानी मिसाइलें गिरती हैं तो इजराइल डर के मारे डैडी के पास भागने को मजबूर हो जाता है। ट्रम्प को पहली बार नाटो चीफ मार्क रूटे ने मजाकिया अंदाज में डैडी कहा था।

दलित व जनजाति वर्ग के छात्रों की छात्रवृत्ति की समस्या का समाधान करें मुख्यमंत्री आदित्यनाथः मायावती

एजेंसी

बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने रविवार को राजा महेन्द्र प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, अलीगढ़ से संबद्ध कई जिलों के दर्जनों कालेजों के दलित व जनजाति वर्ग के छात्र-छात्राओं की छात्रवृत्ति का मामला उठाते हुए मुख्यमंत्री (योगी आदित्यनाथ) से इसके समाधान का अनुरोध किया है। बसपा प्रमुख ने रविवार को सोशल मीडिया मंच ह्यएक्सह्ल पर एक पोस्ट में कहा राजा महेन्द्र प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, अलीगढ़ से संबद्ध कई जिलों के दर्जनों कालेजों के हजारों एससी/एसटी वर्ग (अनुसूचित जाति/जनजाति वर्ग) के छात्र व छात्राओं की छात्रवृत्ति का सरकारी स्तर पर अब तक सही से समय पर निपटारा नहीं हो सका है।उन्होंने कहा कि इसके कारण छात्र-छात्राओं के भविष्य के अधर में लटकने के खतरे से लोगों में भारी बेचैनी व आक्रोश व्याप्त है। पूर्व मुख्यमंत्री ने खुद को मिली जानकारी का हवाला देते हुए आरोप लगाया कि विश्वविद्यालय व जिला प्रशासन की ओर से भी इस सम्बंध में बार-बार पत्राचार के बावजूद लखनऊ स्थित समाज कल्याण विभाग

14 सितंबर, 2021 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शिलान्यास किया था। इस विश्वविद्यालय से संबद्ध कई जिलों के कॉलेजों में पढ़ने वाले दलित और जनजाति वर्ग के छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति मिलती है।

स्तर पर असंवेदनशीलता व लापरवाही बरती गई है।उन्होंने कहा कि इसी का परिणाम है कि लगभग 3,500 दलित छात्र व छात्राओं के शैक्षणिक जीवन पर भारी खतरा मंडरा रहा है। मायावती ने एक पोस्ट में कहा, चूंकि माननीय मुख्यमंत्री जी के विशेष प्रयासों से ही अलीगढ़ का उक्त विश्वविद्यालय स्थापित हुआ है, इसलिए आशा है कि वह इसके सुचारु संचालन में रूचि लेकर खासकर हजारों दलित छात्र/छात्राओं की गंभीर समस्या का तत्काल समाधान निकालेंगे।राजा महेन्द्र प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश में स्थित एक राज्य विश्वविद्यालय है, जिसका 14 सितंबर, 2021 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शिलान्यास किया था। इस विश्वविद्यालय से संबद्ध कई जिलों के कॉलेजों में पढ़ने वाले दलित और जनजाति वर्ग के छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति मिलती है। कुछ छात्रों ने शिकायत की है कि उनके छात्रवृत्ति फॉर्म विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा निरस्त कर दिए गए हैं।

आर्टिकल 370 अंबेडकर के विचार के खिलाफ था : सीजेआई गवई

वे हमेशा एक संविधान के पैरोकार रहे; गवई फैसला सुनाने वाली बेंच का हिस्सा थे

सीजेआई गवई तत्कालीन सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच जजों की उस संविधान पीठ का हिस्सा थे, जिसने अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के केंद्र के फैसले को बरकरार रखा था।

एजेंसी

नागपुर , सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस बीआर गवई ने शनिवार को कहा- आर्टिकल 370 बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के देश के लिए एक संविधान की सोच के खिलाफ था। उन्होंने कहा कि अंबेडकर ने देश को एकजुट रखने के लिए एक संविधान की पैरोकारी की थी। कभी किसी राज्य के लिए अलग संविधान के विचार का

समर्थन नहीं किया। गवई ने आगे कहा- जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 को हटाने के केंद्र के फैसले को बरकरार रखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने एक संविधान के तहत अखंड भारत के अंबेडकर के दृष्टिकोण से प्रेरणा ली। चीफ जस्टिस ने शनिवार को महाराष्ट्र के नागपुर में संविधान प्रस्तावना पार्क के उद्घाटन के मौके पर यह बात कही।

डेढ़ साल पहले सुप्रीम कोर्ट ने जम्मू-कश्मीर से 370 हटाने का फैसला बरकरार रखा था

11 दिसंबर 2023 को सुप्रीम कोर्ट ने जम्मू-कश्मीर से आर्टिकल 370 हटाने का केंद्र सरकार का फैसला बरकरार रखा था। सुप्रीम कोर्ट की 5 जजों की संविधान पीठ ने कहा था - आर्टिकल 370 अस्थायी प्रावधान था। संविधान के अनुच्छेद 1 और 370 से स्पष्ट है कि जम्मू और कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है। भारतीय संविधान के सभी प्रावधान वहां लागू हो सकते हैं।केंद्र ने 5 अगस्त 2019 को जम्मू-कश्मीर से 370 हटा दिया था। इसके 4 साल, 4 महीने और 6 दिन बाद आए 476 पेज के फैसले में कोर्ट ने कहा, हम आर्टिकल 370 को निरस्त करने के लिए जारी राष्ट्रपति के आदेश को वैध मानते हैं। हम लद्दाख को केंद्र शासित प्रदेश बनाने के फैसले की वैधता को भी बरकरार रखते हैं। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने राज्य में 30 सितंबर 2024 तक विधानसभा चुनाव कराने के आदेश दिए।

गांधी परिवार का संविधान को कुचलने का इतिहास रहा हैः उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य

मौर्य ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, अपने को अंग्रेजी शासन का असली उत्तराधिकारी मानने वाले गांधी परिवार को भारत के संविधान से कभी कोई खास लेना-देना नहीं रहा बल्कि उसे कुचलने का इतिहास रहा है।

एजेंसी

उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने रविवार को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि गांधी परिवार का संविधान को कुचलने का इतिहास रहा है।मौर्य ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, अपने को अंग्रेजी शासन का असली उत्तराधिकारी मानने वाले गांधी परिवार को भारत के संविधान

से कभी कोई खास लेना-देना नहीं रहा बल्कि उसे कुचलने का इतिहास रहा है। मौर्य ने कहा अंग्रेजियत में डूबा गांधी परिवार अगर कायदे से भारतीय संविधान पर अमल करता, तो उसे आज संविधान अपने माथे पर लेकर घूमना नहीं पड़ता।

मानसून ने 9 दिन पहले पूरे भारत को घेरा

आईएमडी ने रविवार को दिल्ली के लिए येलो अलर्ट जारी किया है, जिसमें अगले कुछ दिनों तक हल्की से मध्यम बारिश जारी रहने का पूवार्नुमान है। मौसम विभाग ने बताया कि दिल्ली में मानसून अपने सामान्य आगमन की तारीख 27 जून से दो दिन की देरी से पहुंचा।

एजेंसी

देश भर में बेसब्री से इंतजार किए जा रहे दक्षिण-पश्चिम मानसून ने इस

दिल्ली समेत उत्तर भारत में झमाझम बारिश, आईएमडी ने की घोषणा

साल तय समय से काफी पहले पूरे भारत को अपनी चपेट में ले लिया है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने रविवार को आधिकारिक तौर पर इसकी घोषणा कर दी। आईएमडी ने 8 जुलाई तक पूरे देश में मानसून के फैलने का अनुमान लगाया था, लेकिन नौ दिन पहले ही, 29 जून को, बारिश ने पूरे भारत को घेर लिया।रविवार को दिल्ली सहित उत्तर भारत के राजस्थान, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और हरियाणा के कई हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई।

दिल्ली में मानसून का आगमन, येलो अलर्ट जारी

आईएमडी ने रविवार को दिल्ली के लिए येलो अलर्ट जारी किया है, जिसमें अगले कुछ दिनों तक हल्की से मध्यम बारिश जारी रहने का पूवार्नुमान है। मौसम विभाग ने बताया कि दिल्ली में मानसून अपने सामान्य आगमन की तारीख 27 जून से दो दिन की देरी से पहुंचा।

आईएमडी द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है, 'दक्षिण-पश्चिम मानसून आज राजस्थान, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और हरियाणा के शेष हिस्सों और पूरे दिल्ली क्षेत्र में आगे बढ़ गया है। इस प्रकार, इसने 8 जुलाई की सामान्य तिथि के बजाय 29 जून को पूरे देश को कवर कर लिया।'पिछले सालों की तुलना में मानसून की चाल

पिछले साल, दक्षिण-पश्चिम मानसून ने 2 जुलाई तक पूरे देश को कवर कर लिया था, जो अपने सामान्य समय से छह दिन पहले था। इस साल, मानसून सामान्य से एक सप्ताह पहले 24 मई को केरल पहुंचा और 11 जून की सामान्य शुरूआत की तारीख से लगभग दो सप्ताह पहले 26 मई को मुंबई पहुंचा। हालांकि, आईएमडी के अनुसार, जून के पहले सप्ताह में मानसून की गतिविधि में कुछ 'विराम' देखा गया था, जिसके बाद 12 जून से इसने फिर से तेजी पकड़ी।